हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com   रायपुर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024

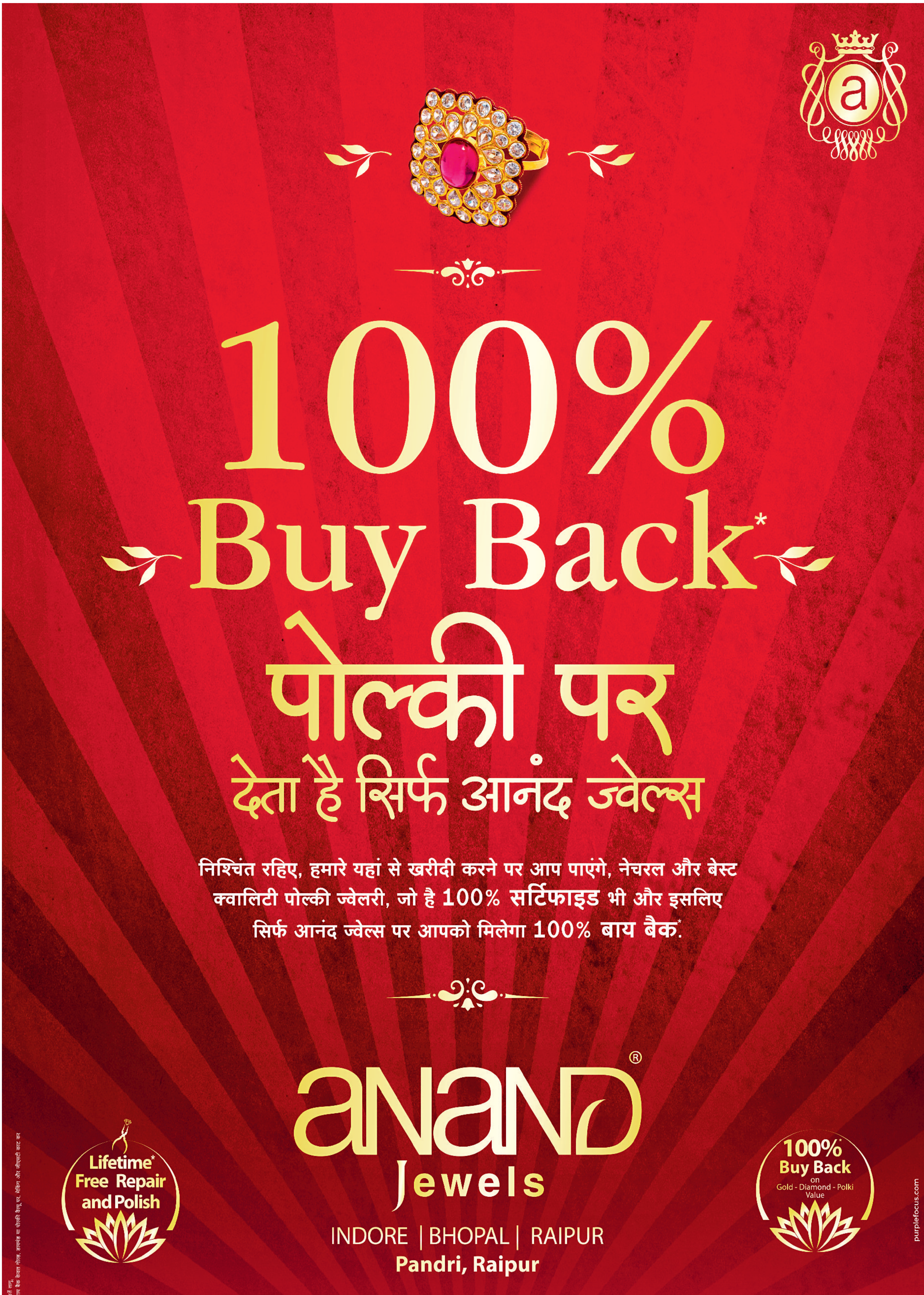

लेट्स प्ले / पूर्ति खरे

खेलें खेल
बनें एक्टिव-हेल्दी-हैप्पी

खेलना हर बच्चे को पसंद होता है। स्टडी और बाकी रूटीन-वर्क के साथ-साथ खेलना भी बहुत जरूरी होता है। खेलने से ताजगी तो मिलती ही है, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहता है। खेलना क्यों जरूरी है, इससे क्या फायदे हैं, जानो।

बच्चों, तुमने घर के बड़ों के मुंह से अकसर सुना होगा, 'स्वस्थ तन में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।' पढ़ाई और बाकी मेंटल एक्टिविटीज में एक्टिव रहने के लिए तुम्हारा फिजिकली फिट रहना बहुत जरूरी है। जब तुम कोई गेम, खासकर आउटडोर गेम खेलते हो तो इससे तुम्हारा शरीर फिट रहता है, साथ ही मानसिक विकास भी अच्छा होता है। इसके अलावा खेलने से दूसरे और भी कई लाभ हैं, तुम्हें इसकी भी जानकारी होनी चाहिए, ताकि तुम शारीरिक और मानसिक रूप से हमेशा स्वस्थ रहो।

उमंग-उत्साह का संचार: हमारा मन हमेशा उन कामों को करना चाहता है, जिसे करने में हमें खुशी मिलती है। खेल कुछ ऐसी ही एक्टिविटी है, जब भी हम कोई खेल खेलते हैं, हम उमंग-उत्साह से भर उठते हैं। इससे हमें एक पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। इससे हमारा कंसंट्रेशन अच्छा होता है, जो पढ़ाई में काम आता है, साथ ही अन्य दूसरी एक्टिविटीज में भी हम आगे बढ़ते हैं। यही वजह है कि आजकल स्कूलों में भी फिजिकल और मेंटल एक्टिविटीज को इंपॉर्टेंस दी जाती है।

बनते हैं डिसिप्लिंड-सेल्फ डिपेंड: खेल में सफल होने के लिए, एक डिसिप्लिन तो जरूरी है ही, साथ ही स्वयं के प्रयास भी बहुत जरूरी हैं, यही प्रयास हमें सेल्फ डिपेंड बनाते हैं। खेल में सफल होने के लिए नियमित अभ्यास भी बहुत जरूरी है। जो खिलाड़ी इन तीनों बातों का पालन करता है, वह बेहतर प्रदर्शन करता है, सफल होता है। इस तरह खेल हमें सिखाते हैं कि सफल जीवन के लिए डिसिप्लिन, सेल्फ डिपेंडेंट और निरंतर अभ्यास बहुत जरूरी हैं।

पता चलता है संगठित शक्ति का महत्व: अधिकांश खेल समूह में खेले जाते हैं। प्रतियोगी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलती हैं, लेकिन वे अपनी टीम के प्रति सहयोगात्मक और समर्पित रहती हैं। खेल हमें सिखाते हैं कि जब हम संगठित होकर काम करते हैं, तो निश्चित ही हम श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

प्रतिस्पर्धा की भावना हमें श्रेष्ठ करने का जज्बा देती है: प्रतिस्पर्धा हमें दूसरों से आगे निकलने के लिए प्रेरित करती है। खेलों में यह भावना पूरी तरह से देखी जाती है। यह हमें सिखाती है कि जो आज अच्छा है, वह कल और बेहतर हो सकता है। यही भावना जीवन में भी लागू होती है, जो हमें बेहतर से भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है।

बढ़ती है मेंटल-फिजिकल एक्टिविटी: आजकल बच्चे सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव हैं, इससे उनकी सेहत और याददाश्त प्रभावित होती है। खेल शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सक्रियता प्रदान करते हैं, इससे सेहत और याददाश्त सुधरती है। खेल ना केवल तन को बल्कि मन को भी तंदुरुस्त रखते हैं। इस तरह शारीरिक सक्रियता के लिए खेलना जरूरी है।

हरेक खेल का है अपना महत्व: खेल के मैदान में खेले जाने वाले खेल हों या दिमागी खेल, हर खेल का अपना महत्व है। खेल जीवन को सक्रिय और दिलचस्प बनाते हैं। हर खेल हमें जीवन से जुड़ी कोई ना कोई सीख देता है। खेलों के माध्यम से हम समय का उपयोग बेहतर ढंग से कर सकते हैं, खुद को रिफ्रेश और अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। *

कुछ पुराने रोचक खेल

जब बात खेलों की चल ही रही है तो हम कुछ पुराने और परंपरागत खेलों को भी याद करें। ये खेल बहुत ही रोचक, दिलचस्प और मनोरंजक होते थे। बच्चों, जानो इन खेलों के बारे में।

घोड़ा दीवानशाही: यह एक समूह में खेला जाने वाला खेल है, जिसे बच्चे गोल घेरे में बैठकर खेलते हैं। किसी एक बच्चे के पीछे कपड़े का एक कोड़ा चुपके से रखा जाता है। अगर उसे कोड़े रखे जाना का पता नहीं चलता तो फिर उस पर कोड़े बरसाए जाते हैं।

गिल्ली-डंडा: बहुत ही पुराना खेल है गिल्ली-डंडा। इसमें गिल्ली को डंडे से उछालकर खेला जाता है।

चपेटा (गोटा): लड़कियां इस खेल को ज्यादा खेलती हैं। इस खेल में लड़कियां छोटे पत्थर उछाल कर अपने हाथ से पकड़ती हैं।

चंदा-पउवा (कौड़ी): चार खिलाड़ियों के साथ खेला जाने वाला खेल, जिसमें गोटियों से अंक जुटाए जाते हैं।

पर्ची वाले खेल: पढ़ाई को मजेदार बनाने के लिए यह खेल खेला जाता है, जिसमें वस्तु और शहर के नाम लिखे जाते हैं।

पिट्ठू: यह खेल चिकने पत्थर से खेला जाता है, इस खेल को ज्यादातर लड़कियां ही खेलती हैं।

अंताक्षरी: कई लोग बैठकर यह खेल खेलते हैं। इसमें दो टीम होती हैं। गाने के अंतिम अक्षर पर टीम के किसी सदस्य को गाना होता है। एक टीम के सदस्य का गाना खत्म होने पर दूसरी टीम का सदस्य गाने के अंतिम अक्षर का गाना गाता है। यह खेल बहुत मनोरंजक होता है।

यह भी जानो / नयनतारा

बच्चों, ऑर्केस्ट्रा में, फिल्मी गीतों में या फिर गीत-संगीत के किसी कार्यक्रम में बहुत सारे म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स के साथ-साथ सबसे अधिक संख्या में जो इंस्ट्रूमेंट प्ले किया जाता है, वह है- वायलिन! आओ, हम तुम्हें 'साजों की रानी' वायलिन के आविष्कार की कहानी बताते हैं।

वायलिन के आविष्कार की कहानी

बच्चों, अगर तुम सौ संगीतकारों का कोई ऑर्केस्ट्रा देखोगे तो उसमें तीस से अधिक वायलिन बजाने वाले होंगे। वायलिन की टोन, इससे निकलने वाली धुनों और इसके एक्सप्रेशन के मल्टीपल लेवल और विस्तृत रेंज के कारण इसे ऑर्केस्ट्रा और अन्य म्यूजिकल इवेंट्स में अधिक महत्व दिया जाता है।

वायलिन के शुरुआत की जड़ें भारत में: बच्चों, वायलिन को विकसित होने में सैकड़ों वर्ष लगे। इसकी शुरुआत अपने देश भारत से मानी जाती है। दरअसल, हमारे देश में ही तारों के साज (म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट) बजाने का चलन आरंभ हुआ था। समय के साथ वीणा, सारंगी, तंबूरा, एकतारा, सितार जैसे साजों का आविष्कार होता गया और ये साज प्रचलन में आते गए। हम देख सकते हैं, आज भी हमारे लोक संगीत में एकतारा, सारंगी, सितार आदि तार वाले म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स प्रमुखता से बजाए जाते हैं।

इकतारा वीणा रेबेक विएल्ले

हमसे इंस्पायर हुए यूरोपवासी: हमारे तार वाले म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स से प्रेरित होकर ही मध्य युग के शुरुआत में यूरोप में अनेक तार वाले साज, 'बो' (धनुषाकार तार वाला उपकरण) के जरिए बजाए जाने लगे। इन साजों में से ही एक 'वीएल्ले' था, जो यूरोप में संभवतः 10वीं शताब्दी में बजाया जाने लगा था। इसे संगीतकार अपने कंधे से लगाकर बजाता था।

दो साजों के मिलने से बना एक साज: आगे चलकर वीएल्ले के स्वरूप में भी परिवर्तन आया। उन दिनों एक अरबी साज 'रबाब' या 'रेबेक' भी प्रचलन में आ चुका था। वीएल्ले की स्ट्रेंडी बॉडी में बहुत होशियारी से रबाब के पेग शामिल कर दिए गए और इस मिश्रण से एक नए साज का जन्म हुआ। यह नए प्रकार का इंस्ट्रूमेंट कुछ-कुछ वायलिन जैसा ही था।

वायलिन के वास्तविक स्वरूप का आविष्कार: वैसे तो वायलिन को अपना बुनियादी आकार सन 1550 और 1600 के बीच में मिला और तब से उसमें बहुत मामूली परिवर्तन ही आया है। सबसे सफल वायलिन 17वीं-18वीं शताब्दी में बनाए गए। इटली के अंटोनियो स्ट्राडिवारी का वायलिन निर्माण के क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्ट्राडिवारी अलग-अलग प्रकार के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स का निर्माण करते थे। इन्होंने एक हजार से अधिक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स का आविष्कार किया था, जिनमें से अधिकतर वायलिन थे। म्यूजिक और वायलिन के प्रति इनकी दीवानगी के कारण स्ट्राडिवरी को 'उस्तादों का उस्ताद' कहा जाता था।

बच्चों, पांच सौ से अधिक वायलिंस ऐसे हैं, जिनके नाम उन महान संगीतकारों के नाम पर पड़े, जो उन्हें बजाते थे, जैसे-विओट्टी..आदि। *

जीके क्विज-125

1. हाल ही में किस फेमस टेनिस खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा की?
2. चुनाव के बाद एक बार फिर से हरियाणा के मुख्यमंत्री कौन बने हैं?
3. पिछले दिनों फ्रांस के नए प्रधानमंत्री कौन बने हैं?
4. आइसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप का आयोजन कहां किया जा रहा है?
5. स्वाधीनता से पूर्व साइमन कमीशन कब भारत आया था?
6. हीराकुंड बांध किस राज्य में स्थित है?
7. 'दिल्ली चलो' का नारा किसने दिया था?
8. एफिल टावर कहां स्थित है?
9. 'मालगुडी डेज' पुस्तक के लेखक कौन हैं?
10. सर्वप्रथम किस विदेशी यात्री ने भारत की यात्रा की थी?

बच्चों, जीके क्विज-125 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-124 का उत्तर : 1.यूएई, 2.विराट कोहली, 3.मिथुन चक्रवर्ती, 4.जर्मनी, 5. पामीर का पठार, 6.लोहा, 7.कैरोटीन, 8.शेरशाह सूरी, 9.ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, 10.मत्स्य पालन

जीके क्विज-124 का सही उत्तर देने वाले : अनिल-राजनांदगांव, कबीर-हिसार, मानवी मधुकर-बिलासपुर, क्षमानिधि-बेमेतरा, पृथ्वीराज-बिलासपुर, शुभम-बिलासपुर, जय-दुर्ग, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, आशुतोष-परसदा, आर्यन-रोहतक, दिव्या-रायपुर, हितेश-महासमुंद

हंसगुल्ले

नव्या : दुनिया में कितने देश हैं?
नैंसी : सिर्फ एक देश है– भारत।
नव्या : तो फिर अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, रूस ये सब क्या हैं?
नैंसी : अरे बुद्धू, वो सब तो विदेश हैं।

-खुशबू, रायपुर

चिंटू स्कूल जाते हुए बहुत रो रहा था।
पापा : चुप हो जाओ.. शेर बच्चे रोते नहीं।
चिंटू : लेकिन शेर बच्चे स्कूल भी तो नहीं जाते।

-राहुल, महासमुंद

मोनू : मैं चावल को बर्फ बना सकता हूं।
सोनू : (आश्चर्य से) वो कैसे?
मोनू : 'R' हटाकर।
सोनू : मतलब?
मोनू : जब हम RICE (चावल) में से R हटा देंगे तो ICE (बर्फ) ही तो बचेगा न।

-कुमकुम, बिलासपुर

गोलू और नन्ही चिड़िया

गोलू अपने मामा के गांव से लौटकर आया तो उसे वहां के बगीचे में फुदकती एक चिड़िया बहुत याद आती। उसका यही मन करता, वह चिड़िया यहां भी दिखाई दे। लेकिन चिड़िया दिखाई कैसे देती, उसके घर के आस-पास कोई पेड़ ही नहीं था, जिस पर आकर चिड़िया बैठती, चहकती। क्या गोलू अपने घर के आस-पास पेड़ की कोई व्यवस्था कर पाया?

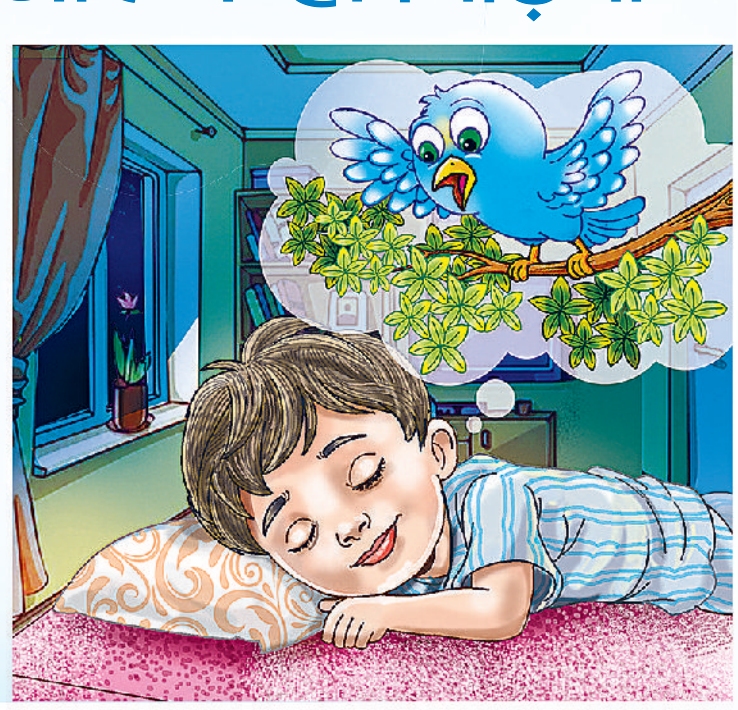

कहानी
कल्लोल चक्रवर्ती

विद्यालय में दशहरे की छुट्टियां हुईं तो गोलू अपने मामा के गांव चला गया। वहां से जब वह वापस अपने घर लौटा तो उदास था। मामा के गांव में उसके कई दोस्त बन गए थे। उन सबकी गोलू को बहुत याद आ रही थी। सबसे ज्यादा नन्ही चिड़िया याद आ रही थी, जो रोज सुबह बगीचे में उससे मिलने आती थी। हुआ यह कि एक सुबह गोलू बगीचे में बैठा दूध-रोटी खा रहा था, तभी उसकी नजर अमरूद के पेड़ की निचली डाल पर बैठी एक सुंदर-सी चिड़िया पर पड़ी। गोलू को लगा कि चिड़िया उसे दूध-रोटी खाता देख रही है। उसने रोटी का एक टुकड़ा चिड़िया के सामने फेंक दिया, पहले तो चिड़िया ने उसे टुकुर-टुकुर गर्दन मटकाते देखा फिर रोटी का टुकड़ा आकर खा लिया। अगले दिन फिर ऐसे ही हुआ। फिर तो यह गोलू का खेल ही बन गया। मामी उसे खाने के लिए कटोरी में दूध-रोटी देतीं, तो वह बगीचे में जाकर बैठ जाता। एक-दो कौर खाने के बाद ही देखता कि चिड़िया अमरूद के पेड़ की डाल पर आ बैठी है। उससे रोटी पाने का इंतजार कर रही है। गोलू को आश्चर्य होता कि चिड़िया को उसके आने का पता कैसे लग जाता है? गोलू की इस चिड़िया से बहुत अच्छी दोस्ती हो गई थी।

गोलू जब वापस शहर अपने घर पर लौटा तो भी वह चिड़िया उसे बहुत याद आ रही थी। गोलू की आंखों में आंसू आ गए। उसकी मां ने देखा तो उन्हें यही लगा, मामा के गांव के दोस्तों का साथ छूट जाने से वह दुखी है।

गोलू रात सोया तो सपने में वही नन्ही सुंदर चिड़िया आई। पेड़ पर बैठकर वह गोलू को देख रही थी। गोलू बहुत खुश था। सुबह उठने पर उसे यकीन ही नहीं हुआ कि वह अपने घर में है। गोलू कटोरी में दूध-रोटी लेकर घर के बाहर बैठ गया। उसे लगा कि शायद यहां शहर में भी चिड़िया आएगी। लेकिन यहां दूर-दूर तक कोई चिड़िया नहीं थी। स्कूल जाते हुए वह पूरे रास्ते इधर-उधर देखता रहा कि कहीं वह चिड़िया दिख जाए। उसने दोस्तों से सुना था, चिड़िया उड़कर कहीं भी पहुंच सकती है। स्कूल में पढ़ाई के समय भी वह क्लास में चिड़िया के बारे में सोचता रहा। उसे अपने जिगरी दोस्त चीकू से मिलकर भी खुशी नहीं हुई। स्कूल में छुट्टी होने के बाद घर लौटते समय गोलू ने चीकू को उस चिड़िया के बारे में बताया। चीकू ने बताया, 'मेरे चाचा ने एक चिड़िया पाली थी, पर वह दो दिन में ही उड़ गई। अब वह कभी-कभी पास के पेड़ की डाल पर आकर बैठती है। पेड़ ही तो चिड़िया के घर होते हैं।'

यह सुनकर गोलू उदास हो गया। उसके घर के सामने तो कोई पेड़ ही नहीं है। घर लौटते ही उसने देखा कि दरवाजे पर दादी बैठी हैं। गोलू ने दादी से कहा, 'मैं घर के सामने पेड़ लगाऊंगा, तभी तो चिड़िया बैठेगी।' दादी यह सुनकर जोर से हंस पड़ीं, बोलीं, 'पौधे लगाएगा, तभी तो पेड़ बनेंगे।'

गोलू सोच में पड़ गया कि वह पौधे लाए तो कहां से लाए? दादी को पता था कि ननिहाल से लौटने के बाद से ही गोलू उदास है। उन्होंने कहा, 'तू चिंता मत कर। हरिया माली से कहकर कुछ पौधे मंगवा लूंगी मैं। वह लगा भी देगा।'

अगले दिन गोलू ने स्कूल से आकर देखा कि घर के सामने कुछ पौधे लगाकर हरिया काका ने उन्हें बांस से घेर भी दिया है। खुशी से वह अंदर गया, तो दादी बोलीं, 'बेटा, सिर्फ खुश होने से काम नहीं चलेगा। इन नन्हे पौधों में रोज पानी तुझे ही देना होगा, तभी ये पेड़ बनेंगे, इनमें फूल खिलेंगे, फल आएंगे। इन पर आकर कई सारी चिड़ियां बैठेंगी।'

गोलू खुशी-खुशी राजी हो गया। मन ही मन बोला कि कल स्कूल जाने पर चीकू को सबसे पहले यह खबर दूंगा। उस रात सपने में गोलू को फिर वह चिड़िया दिखाई दी। इस बार वह मामा के घर के बगीचे में अमरूद के पेड़ पर नहीं, उसके घर के सामने लगे पौधों के बीच इधर-उधर फुदक रही है। *

कविता
राम नरेश 'उज्ज्वल'

उड़कर आसमान को छू लें

चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।
बिना पेड़ पर चढ़े रसीले, आम तोड़ कर खाएं।।
पंख हमें दो ऐसे, जिसमें हों सोने के सिक्के,
जिसे देख कर धरतीवासी रह जाएं भौचक्के,
गिरें टपाटप सिक्के, पांखें जितनी बार हिलाएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
आसमान में छैल-छबीली ढेरों उड़ें पतंगें,
लड़ें पेंच पर पेंच सैकड़ों जब भी कटें पतंगें,
कटी पतंगों को उड़कर हम पकड़-पकड़ फिर लाएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
नाना जी के घर जाना हो या जाना हो मेला,
जाम लगा हो या सड़कों पर उमड़ रहा हो रेला,
पल में पंख पसारें अपनी मंजिल को हम पाएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
बस गाड़ी का इंतजार भी करना नहीं पड़ेगा,
मम्मी-पापा को संग लेकर चलना नहीं पड़ेगा,
उड़कर पढ़ने जाएं, विद्यालय से उड़कर आएं।
चिड़िया रानी पंख हमें दो, हम ऊंचे उड़ जाएं।।
चिड़िया बोली पंख तुम्हारे भीतर लगे हुए हैं,
हिम्मत, ताकत, जोश, हौसले के पर उगे हुए हैं
बस अंदर झांकें, अपने इन पंखों को फैलाएं।
उड़कर आसमान को छू लें, जो चाहें, वो पाएं।।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां जंगल की सैर पर निकले भोलू भालू के दो चित्र दिए गए हैं। ये दोनों चित्र दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन इनमें सात अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सात अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट ये सातों अंतर खोजो।

उत्तर: 1.भोलू भालू की कैप का रंग बदला हुआ है। 2.उसके सिर के ऊपर बादल के दो टुकड़े दिख रहे हैं। 3.ऊपर बाईं तरफ पेड़ की टहनी से तीन पत्तियां गायब हैं। 4.ऊपर दाईं तरफ की टहनी में अलग तरह की पत्तियां दिख रही हैं। 5.नीचे दाईं तरफ स्नेल (घोंघे) का कलर बदला हुआ है। 6.नीचे बाईं तरफ दो फूलों का रंग बदला हुआ है। 7.नीचे भोलू के आगे अलग किस्म के दो मशरूम प्लांट्स दिख रहे हैं।

पूरा करो लोकोक्ति-मुहावरे

बच्चों, यहां कुछ अधूरी लोकोक्तियां और मुहावरे दिए गए हैं, इन सभी में रिक्त स्थानों पर शरीर के किसी-न-किसी अंग का नाम भरने से ये पूरे और अर्थपूर्ण हो जाएंगे। तुम रिक्त स्थानों में उपयुक्त अंगों का नाम भरकर इन लोकोक्तियों/मुहावरों को पूरा करो।

1. .... का तारा होना।
2. .... पर जूं न रेंगना।
3. .... का बाल होना।
4. .... पर सवार होना।
5. .... पर मूंग दलना।
6. ....चौड़ा होना।
7. .... का पानी न हिलना।
8. .... मुंह को आना।
9. .... की जूती।
10. ....बांका न होना।
11. ....धोकर पीछे पड़ना।
12. ....जाए पर दमड़ी न जाए।
13. .... खट्टे करना।
14. .... टेक देना।
15. ....पर मौत सवार होना।

प्रस्तुति : दीनदयाल शर्मा

उत्तर : 1. आंख 2. कान 3. नाक 4. सिर 5. छाती 6.सीना 7. पेट 8. कलेजा 9. पैर 10. बाल 11. हाथ 12. चमड़ी 13. दांत 14. घुटने 15. सिर

सही परछाई पहचानो

बच्चों, यहां बाईं तरफ एक नन्ही परी का चित्र दिया गया है। दाईं तरफ चार परछाइयां भी दी गई हैं। ध्यान से देखकर बताओ कि इस नन्ही परी के चित्र की सही परछाई कौन-सी है?

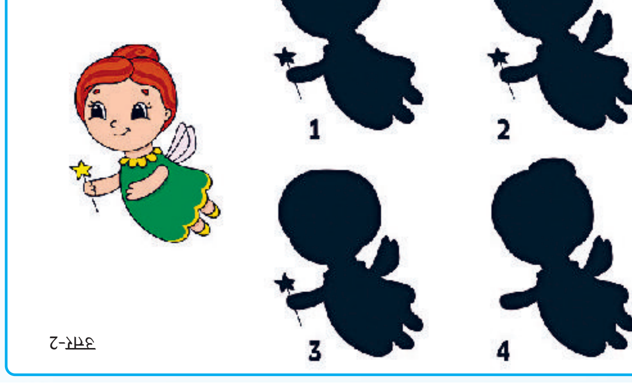

उत्तर-2

तापमान
अधिकतम 33.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
रत्न भूमि

रायपुर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024

13 किसानों को सब्सिडी में मछली बीज देने का...

14 ब्राम्हण समाज अन्य समाज को भी करें संस्कारित : बृजमोहन

आधार सीडिंग, आरबीसी 6-4, अभिलेख त्रुटि सुधार के प्रकरणों का गंभीरतापूर्वक करें निराकरण

जिले के आरआई, पटवारी राजस्व प्रकरणों के निराकरण में सक्रियता से दे योगदान : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

■ जिले के राजस्व निरीक्षक एवं पटवारियों की बैठक में दिए निर्देश

जिले के राजस्व निरीक्षक एवं पटवारियों की कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने गुरुवार को वन विभाग के ऑक्सन हॉल मेंसमीक्षा बैठक ली। उन्होंने बैठक में राजस्व प्रकरण निराकरण की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेकर प्रकरणों के निराकरण में सक्रियता से योगदान देने के निर्देश दिये। उन्होंने पटवारी प्रतिवेदन के लिए लंबित प्रकरणों की जानकारी लेकर लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने तत्परता से प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने आधार सीडिंग, आपदा क्षतिपूर्ति प्रकरण, धान खरीदी पंजीयन, ऋण पुस्तिका एवं राजस्व अभिलेखों में स्थानीय स्तर पर होने वाले त्रुटि सुधार के संबंध में जानकारी लेकर प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने भू-अर्जन, नामांतरण, बंटवारा, खाता विभाजन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों की भी जानकारी लेकर निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित राजस्व निरीक्षक एवं पटवारीगण मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने स्वामित्व योजना की स्थिति, डिजिटल हस्ताक्षर, पटवारी की डिजिटल हस्ताक्षर से अभिलेखों के सत्यापन की स्थिति, ▶▶|शेष पेज 13 पर

भुईयां सॉफ्टवेयर में ऑनलाइन एंट्री समय पर करें

कलेक्टर ने वन अधिकार पात्रता पत्र धारको की प्रविष्टि ऑनलाईन भुईयां सॉफ्टवेयर में अद्यतन किए जाने के संबंध में समीक्षा कर ऑनलाइन प्रविष्टी समय-सीमा में सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने धान खरीदी की तैयारियों के संबंध में भी आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने आरबीसी 6-4 के तहत प्रकरणों की स्थिति एवं लंबित मुआवजा राशि की जानकारी लेकर तेजी से प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिये।

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय मेगा क्रेडिट कैंप 24 को

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर ऋण वितरण एवं बैंकिंग समस्याओं के निराकरण के लिए जिला स्तरीय मेगा क्रेडिट कैंप का आयोजन अब गुरुवार 24 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे तक जनपद पंचायत गरियाबंद के सामुदायिक भवन में आयोजित किया जायेगा। लीड बैंक अधिकारी श्री मोहम्मद मोफिज ने बताया कि पूर्व में उक्त कैम्प शुक्रवार 18 अक्टूबर को निर्धारित था, जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय क्रेडिट कैम्प का मुख्य उद्देश्य स्व-सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज में बढ़ोतरी, बैंकों द्वारा प्रायोरिटी सेक्टर में ऋण वितरण क्षेत्र का विस्तार, शासकीय स्वरोजगार ऋण योजनाओं के प्रति जागरूकता, मुद्रा योजना के क्षेत्र का विस्तार, नवीन बैंक खाते और आधार पंजीयन करवाने की सुविधा ग्रामीणों की वित्तीय साक्षरता एवं अन्य बैंकिंग से संबंधित समस्याओ का निराकरण किया जायेगा। कैम्प में जिले में स्थित सभी बैंक की शाखाएं इस शिविर में उपस्थित रहेंगे तथा शिविर स्थल पर बैंकों का स्टाल लगाकर हितग्राहियों को लाभ पहुंचाएंगे।

पिपरहट्ठा में कबड्डी प्रतियोगिता कल से

पाटसिवनी (पिपरहट्ठा)। ग्राम पिपरहट्ठा (छुरा) में नवयुवा क्रांति समिति एवं समस्त ग्राम वासी पिपरहट्ठा के द्वारा दो दिवसीय राज्य स्तरीय कब्बडी प्रतियोगिता का आयोजन 19 अक्टूबर से रखा गया है। जिसमें मुख्य अतिथि रेवती बाई, सरपंच ग्राम पंचायत पिपरहट्ठा, अध्यक्षता मिलाप राम साहू ग्रामीण अध्यक्ष, विशेष अतिथि रूप सिंह साहू अध्यक्ष साहू समाज सोरिद परिक्षेत्र, तेजराम ध्रुव पत्रकार, देवलाल साहू, हनीफउद्दीन साहिल, गोपाल राम, नाथूराम, जगत राम साहू, जहिब मोहम्मद कुरैशी, दालचन्द सोनकर, टिकम साहु, तोमस ठाकुर शामिल होंगे।

प्रथम पुरस्कार10001 रुपए, द्वितीय 7001 रुपए, तृतीय 5000 रुपए, चतुर्थ 3001 रुपए दिया जाएगा। सभी मैच कबड्डी मेट पर खेला जाएगा।

शाला प्रबंधन समिति की बैठक आज

रसेला। प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय रसेला में 18 अक्टूबर को शाला प्रबंधन विकास समिति के समस्त सदस्यगण एवं पंचायत जनप्रतिनिधियों व पालकगण की बैठक स्कूल प्रांगण में 12 बजे आयोजित किया गया है। जिसमें सभी माता- पिता, बच्चों के साथ बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने की अपील की गई है। साथ ही साथ गांव में कोटवार द्वारा मुनादी भी किया गया है।

पेट्रोल पंपों के शौचालयों को रखें स्वच्छ, पेयजल व्यवस्था दुरूस्त करें : कलेक्टर

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने जिले के सभी पेट्रोल पम्पों में जन सुविधा के उपयोग के लिए टायलेट के साफ-सफाई व रख-रखाव सुनिश्चित करने पेट्रोल पम्प संचालकों को निर्देशित किया है। उन्होंने पेट्रोल पंपों में शौचालयों एवं पेयजल व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिये है। इस संबंध में जिला खाद्य विभाग की ओर से पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश जारी किये जा चुके है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में गरियाबंद जिले में 35 पेट्रोल पम्प संचालित है। सभी पेट्रोल पम्प में टायलेट उपलब्ध है। प्रायः यह देखा गया है कि पेट्रोल पम्पों में स्थापित पब्लिक टायलेट या तो गंदे, अव्यवस्थित, प्रकाश विहीन या फिर ताले लगे हुए पाये जाते है। ऐसे में आने जाने वाले राहगीर एवं ग्राहक मूलभूत सुविधाओं के लाभ से वंचित रह जाते है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने निर्देशित किया है कि जिले के सभी पट्रोल पम्पों में स्थित पब्लिक टायलेट साफ सुथरे एवं आम नागरिकों के उपयोग हेतु खुले हुए ▶▶|शेष पेज 13 पर

समस्या : निजात पाने के लिए हजारों रुपए की दवा डालने के बाद बेअसर

पक चुकी धान की फसलों पर बढ़ा तना छेदक, माहू, कटवा का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

खेतों में तैयार हो रही खरीब धान की फसलों में कई प्रकार की बीमारियां लगने लगी है इससे किसान खासे परेशान है और तो और चूहे भी जमकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। फसल को बचाने किसान अपने खेतों पर किटनाशक का छिड़काव कर रहे हैं धान की फसलों में तना छेदा, माहू, कटवा का प्रकोप बढ़ गया है किसान खेलन दिवान, आदेश पटेल, रामसुख पटेल, रायसिंह ध्रुव, नोकेलाल ध्रुव, हरचंद नेताम ने बताया कि धान की फसल में तरह- तरह की बिमारियों से किसान परेशान हो रहे हैं। धान पक कर तैयार हो रही हैं लेकिन इसमे कटवा के साथ कई बिमारी का सर्वाधिक प्रकोप देखने को मिल रहा है। जिसके कारण किसान बेहद परेशान हैं। पिछले चार-पांच दिनों से लगातार बदली से खेतों में मौसमी बीमारियों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है और दवा दुकानों में किसानों की भीड़ लगी हुई है। विकासखंड मैनपुर क्षेत्र अंतर्गत कई ग्रामों में पक चुके धान की फसलों में इस बार तरह-तरह की बिमारियों से किसान बेहद परेशान नजर आ रहे हैं। रातों रात कीट प्रकोप फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस बार नए तरह की बिमारी धान की फसलों में देखने को मिल रही है। खड़े पक चुके धान की फसल की बालियां देखते ही देखते एक दो दिन में बदरा जा रहा है और यह किसानों को भारी परेशान कर रखा है इससे निजात पाने के लिये किसान महंगे से महंगे दवा डाल रहे हैं। साथ ही धान के फसलों में भूरा माहो, तना छेदक का भारी प्रकोप देखा जा रहा है। इंदागांव कोयबा क्षेत्र के किसान महेश्वर जगत, रामाधीन मांझी खेमन मरकाम ने बताया पिछले कई दिनों से मौसम के उतार-चढ़ाव के कारण बीमारी तेजी से लग रही है कई बार दवा का छिड़काव किया जा चूका है लेकिन दवा का जितना असर होना चाहिए नहीं हो पा रहा है।

खेतों में चूहों का आतंक बढ़ा

एक तरफ धान के फसलों में माहू, कटवा जैसे बीमारी से किसान परेशान हो गए हैं। वहीं दूसरी तरफ चूहों के द्वारा भी जमकर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। गांव के आसपास के खेतों में चूहों का आतंक ज्यादा देखने को मिल रहा है। पक चूके धान के फसलों को चूहे के द्वारा कुतर दिया जा रहा है। किसान बेहद परेशान हो गये हैं।

दी जा रही सलाह

वरिष्ठ कृषि अधिकारी भावेश सांडिल्य ने बताया कि क्षेत्र में धान की फसल में तनक छेदक, माहो, लाई फुटा हल्दिया रोग फफुंद का प्रकोप है और लगातार कृषि विभाग का अमला किसानों को इन बिमारियों से बचाव के लिए सलाह भी दिया जा रहा है।

कुण्डेल-मड़वाडिही सड़क में गड्ढे, उखड़ने लगीं गिट्टियां

अधिकारी ने कहा- शासन को प्रस्ताव भेजा है मरम्मत होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना गरियाबंद अंतर्गत कुण्डेल से मड़वाडिही तक फिर्गेश्वर राजिम मुख्य सड़क मार्ग से जोड़ने वाली सड़क काफी जर्जर है। सड़क से डामर गायब हो गया है। नीचे डब्ल्यू बीएम सड़क में उपयोग बड़े- बड़े गिट्टा भी उखड़ गये हैं। पांच साल पूर्व इसी सड़क का पुनर्निर्माण किया गया था। उसके बाद से ठेकादार मेंटनेंस के लिए झांकने तक नहीं आया। उक्त सड़क की शिकायत एवं सुधार की मांग पर विभाग के अधिकारी तीन साल से एक बात लोगों से कहते हैं कि इस कुण्डेल से मड़वाडिही सड़क का चौड़ीकरण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। जैसे ही निर्देश आता है उनके अनुसार होगा। लेकिन मरम्मत कार्य तुरंत हाल में किया जायेगा। इस तरह समस्या को सुलझाने के बजाय इस बात से उलझा रहे हैं। इस खराब सड़क से राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां की बड़ी क्षेत्र के लोगों का ब्लाक मुख्यालय फिगेंश्वर, साथ ही राजिम, रायपुर तो दूसरी ओर महासमुंद वहीं घटारानी, जतमई मंदिर पहुंचने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसके ▶▶|शेष पेज 13 पर

मरम्मत की जाएगी

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना गरियाबंद मुख्यकार्यपालन अभियंता बीआर सोनी एवं सहाययक अभियंता रवि देवांगन ने कहा की मेंटनेंस और चौड़ीकरण का प्रस्ताव भेजा गया है। आगे प्रशासन से जैसा निर्देश मिलता किया जायेगा। मरम्मत कार्य भी करवाया जायेगा।

मुख्य मार्ग के स्ट्रीट लाइट को किया चालू नगरवासियों ने ली राहत की सांस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

खबर का असर

जिले के तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर के लोग वर्षो से स्ट्रीट लाइट नहीं जलने से बेहद परेशान हो गए थे जबकि मैनपुर नगर में लाखों रुपए खर्च कर बस स्टैण्ड, एसडीएम कार्यालय, गौठान, लोक निर्माण विभाग एवं हाई स्कूल के सामने हाई मास्क स्ट्रीट लाइट लगाया गया था जो महज एक माह ही चला उसके बाद से बंद हो गया और मैनपुर नगर के लोग शाम होते ही स्ट्रीट लाइट बंद होने से बेहद परेशान हो गए थे। इस खबर को हरिभूमि ने 1 अक्टूबर को प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था साथ ही मैनपुर नगर के लोगों ने गरियाबंद जिला के कलेक्टर दीपक अग्रवाल से मांग किया था कि मैनपुर नगर को अंधेरे से मुक्ति दिलाने के लिए स्ट्रीट लाईट प्रारंभ करवाया जाए गरियाबंद कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लिए और गरियाबंद कलेक्टर के निर्देश पर स्ट्रीट लाइट में सुधार किया गया पिछले तीन दिनों से मैनपुर में चार स्थानों पर स्ट्रीट लाइट प्रारंभ हो गया है जिससे लोगो ने राहत की सांस ली और गरियाबंद कलेक्टर दीपक अग्रवाल के प्रति अभार व्यक्त किया है। मैनपुर नगर के लोगों ने गरियाबंद की कलेक्टर से मांग किया है कि मैनपुर नगर के भीतर गली मोहल्ले में बिजली के खम्बों में लगाए गए स्ट्रीट लाइट को भी जल्द प्रारंभ करवाया जाए जिससे नगरवासियों को रहत मिल सके।

दशहरा पर्व पर राजा की शाही सवारी निकली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

नगर में पारपरिक दशहरा पर्व में राजा निलेन्द्र बहादूर सिंह की शाही सवारी देर रात निकली। नगर में राजा की शाही सवारी निकलने पर देखने वाले लोगों का हुजूम लगा रहा। झांकी के साथ निकली सवारी को देखते हुए लोगों ने हाथ हिलाकर राजा अभिवादन किया। वहीं राजा साहब ने भी सभी को दशहरा पर्व की शुभकामना दी। इसी प्रकार राज महल में उनसे मुलाकात करने महासमुद लोक सभा के सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक रोहित साहू, पूर्व पंचायत मंत्री अमितेष शुक्ल के साथ हजारो की संख्या मे लोग राजमहल पहुंचकर उनसे मुलाकात की। शाही सवारी मे युवराज आदित्य सिह भी शामिल हुए। शानदार आतिश बाजी आकर्षण का केन्द्र रहा। इस अवसर पर सीएम के दामाद तिमिरेंदु शेखर सिंह कंवर ने भी फिंगेश्वर पहुंचकर राजा निलेन्द्र बहादूर सिंह को शुभकामना दी। इस अवसर पर मनीष हरित, नगर पंचायत अध्यक्ष जगदीश यादव, बिसौहा हरित, डोंगर मरकाम, ओमप्रकाश बंछोर, जितेन्द्र सिंह ठाकुर,शरद चतुर्वेदी, अतुल श्रीवास्तव, विकास तिवारी, दीपक तिवारी, सहित मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियो सहित हजारों की संख्या में नागरिक शामिल हुए। पुलिस विभाग के तैनाती एवं जनता के सहयोग से पर्व शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

बिहार के मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने जिले के पीव्हीटीजी वनधन केन्द्र का किया निरीक्षण

21 प्रकार की वनौषधियों का निर्माण कर रही समूह की महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

बिहार राज्य के सहकारिता, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने गुरुवार को गरियाबंद जिले का दौरा किया, जहां उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजातियों पीवीटीजी के लिए स्थापित वनधन केन्द्र केशोडार का निरीक्षण किया। इस केन्द्र में वनौषधियों के प्रसंस्करण की गतिविधियों का जायजा लेते हुए मंत्री ने स्वयं औषधियों के निर्माण की प्रक्रिया को देखा और वहां काम कर रहे महिला स्व-सहायता समूह के सदस्यों से बातचीत की। यह केन्द्र 21 प्रकार की वनौषधियों का निर्माण करता है, जिसमें सतावरी चूर्ण भी शामिल है। समूह ने अगस्त 2024 में आयुष विभाग के आदेश पर 50 लाख रुपये मूल्य की औषधियों का निर्माण और विक्रय किया। समूह ने बताया कि वनौषधि प्रसंस्करण केन्द्र की स्थापना से उन्हें अब रोजगार के लिए कहीं और जाने की ज़रूरत नहीं पड़ती और सालभर काम मिलता रहता है। मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉडल बिहार में भी लागू किया जाएगा, ताकि वहां के वन संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके और ग्रामीणों को रोजगार मिल सके। उन्होंने बिहार में महिला स्व-सहायता समूहों के लिए भी ऐसी ही योजनाएं विकसित करने की घोषणा की।

मंत्री ने वनौषधि प्रसंस्करण मॉडल की तारीफ

ग्रामीण अर्थव्यवस्था का बना सशक्त माध्यम

इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी श्री लक्ष्मण सिंह ने मंत्री को वनधन केन्द्र के अन्य पहलुओं और वनमंडल की गतिविधियों से अवगत कराया। इस दौरान बिहार सरकार के अधिकारी, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ के कार्यकारी संचालक श्री मणीवासगन, उप प्रबंध संचालक श्री अतुल श्रीवास्तव, वन परिक्षेत्र अधिकारी, और स्व-सहायता समूह के सदस्य उपस्थित थे। इस दौरे से स्पष्ट होता है कि वनौषधि प्रसंस्करण केन्द्र न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहे हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम भी प्रदान कर रहे हैं।

गांजा तस्करी के मामले में चार लोग गिरफ्तार

महासमुंद। गांजा की अवैध बिक्री और परिवहन के मामले में बलौदा पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चार किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमत 80,000 रुपए को जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि 13 अक्टूबर को ओडिशा की ओर से आने वाली संदिग्ध वाहन चेकिंग किया जा रहा था, चेकिंग के दौरान ओडिशा से छत्तीसगढ़ की ओर आ रही हीरो कंपनी के काले कलर मोटर सायकल एचएफ डीलक्स क्रमांक सीजी 10 एक्यू 9317 को रोका गया वाहन में दो व्यक्ति सवार थे। वाहन को रोककर नाम पता पूछताछ करने पर अपने नाम महेश कुमार यादव पिता धनीराम यादव (21 वर्ष) निवासी बरेला थाना जरहागांव जिला मुंगेली व कोमल सोनकर पिता ठनक सोनकर (21 वर्ष) ठाकुरीकांपा थाना जरहागांव जिला मुंगेली का निवासी होना बताया।

पाठक सूचना
गरियाबंद जिले में
हरिभूमि समाचार पत्र के स्थान पर कोई अन्य अखबार मिल रहा हो। एवं समाचार पत्र की प्रतियां, विज्ञापन एवं खबरों के लिए संपर्क करें
9993223300, 8370049468

निजी कालेजों में एमडीएस की 50 सीटें खाली, अब 175 अंक वालों को मिलेगा प्रवेश

मैनेजमेंट कोटे की सीट में एडमिशन के लिए कम किया गया परसेंटाइल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कई कोशिशों के बाद भी निजी डेंटल कालेजों में खाली एमडीएस की मैनेजमेंट की 50 सीटों के लिए परसेंटाइल घटा दी गई है। अब नीट के 960 प्राप्तांकों में यूआर श्रेणी के 272 तथा आरक्षित वर्ग के 175 अंक वालों को भी प्रवेश मिलेगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 19 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएंगे।

एमबीबीएस के साथ बीडीएस का एडमिशन अभी एनआरआई कोटे की वजह से विवादों में पड़ा हुआ है, लेकिन एमडीएस यानी डेंटल की पीजी सीट के लिए बीडीएस कर चुके छात्रों का टोटा पड़ा हुआ है। एडमिशन की अंतिम तारीख बाकी होने की वजह से चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इसके लिए स्पेशल स्ट्रे वैकेंसी राउंड का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए नीट में सफल बीडीएस के छात्रों से 19 अक्टूबर तक नया ऑनलाइन आवेदन मंगाया गया है। अभी निजी मेडिकल कालेजों में एमडीएस की 50 सीट खाली है, जिसके लिए छात्रों की पूर्ति करने के लिए कट ऑफ मार्क्स में और कमी कर दी है। अब नीट पीजी में यूआर कोटे के तहत 28.308 प्रतिशत यानी 272 अंक और एसटी,एससी, ओबीसी वर्ग के 18.308 फीसदी यानी 175 अंक वालों को पात्र माना गया है।

बीएससी, न्यूनतम अंक का प्रावधान समाप्त करने की मांग

बीएससी नर्सिंग में बड़ी संख्या में सीट रिक्त होने की वजह से प्रवेश के लिए न्यूनतम अंक का प्रावधान समाप्त करने आईएनसी से पत्र व्यवहार करने चिकित्सा शिक्षा मंत्री से निवेदन किया गया है। प्राइवेट नर्सिंग कालेज एसोसिएशन द्वारा हवाला दिया गया है। सभी चरणों की काउंसिलिंग के बाद भी पांच हजार सीट रिक्त है। हवाला दिया गया है कि प्रवेश परीक्षा में लगभग 29 हजार विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिसमें 2630 विद्यार्थी ही प्रवेश ले पाये हैं। राज्य के अनेक विद्यार्थी नर्सिंग में प्रवेश लेकर अपना कैरियर बनाना चाहते हैं, किन्तु नियम की कठिनाई के कारण प्रवेश से वंचित रह गए हैं। उनके हितों को ध्यान में रखते हुए हुए परसेंटाइल को समाप्त करने और प्रवेश की अंतिम तिथि एक माह बढ़ाने इंडियन नर्सिंग काउंसिल से पत्र व्यवहार करने का निवेदन किया है।

स्थानीय बदमाशों की अमन साव के साथ संलिप्तता की पुलिस लिंक तलाश रही

गैंगस्टर अमन साव की झारखंड की मदद से स्थानीय पुलिस ने तैयार की डोजियर रिपोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

तेलीबांधा शूट आउट के आरोप में प्रोटेक्शन वारंट में गिरफ्तार किए गए गैंगस्टर अमन साहू से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। गंज थाना क्षेत्र में शूट आउट के पूर्व पकड़े गए आरोपियों के संबंध में पूछताछ करने के बाद पुलिस अमन से तेलीबांधा शूट आउट को लेकर पूछताछ कर रही है। अमन साव किस तरह अपराधिक घटनाओं को अंजाम देता था, स्थानीय पुलिस ने सौ पन्नों से ज्यादा की एक डोजियर रिपोर्ट तैयार की है। इसकी पुष्टि एसएसपी डॉ. संतोष सिंह ने की है।

एएसपी के मुताबिक अमन साव स्थानीय बदमाशों के संपर्क में था या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। गंज तथा तेलीबांधा मामले में अब तक 19 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों मामलों में अब तक किसी स्थानीय बदमाश के शामिल होने की पुष्टि नहीं हुई है। बावजूद इसके अमन अपने अन्य गुर्गों के माध्यम से राज्य के किसी स्थानीय बदमाश के संपर्क में था या नहीं, इसकी तस्दीक करने पुलिस कह रही है।

गैंगस्टर के निशाने पर झारखंड में सरकारी ठेका लेने वाले कारोबारी
मोबाइल शॉप छोड़कर रंगदारी करते गैंगस्टर बना अमन, हत्या समेत 100 से ज्यादा केस
अमन से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही, लेवी नहीं देने पर हत्या की प्लानिंग
60 करोड़ की रंगदारी नहीं देने पर की थी हत्या
मोबाइल शॉप के रास्ते अपराध की दुनिया में पहुंचा
हत्या की थी प्लानिंग

पेशी के दौरान देता है निर्देश

क्राइम डीएसपी संजय सिंह के मुताबिक अमन साव लगातार मयंक सिंह के संपर्क में रहा है, तेलीबांधा शूट आउट की घटना में अमन के मयंक के संपर्क में होने की पुष्टि हुई है। पुलिस के अनुसार पेशी में ले जाने के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से अमन मयंक से संपर्क स्थापित करता है। इसके बाद किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए कहां से बदमाशों की व्यवस्था करना है, इस संबंध में अमन मयंक को जानकारी देता है। उसी आधार पर मयंक अपने अन्य स्थानीय गुर्गों के माध्यम से बदमाशों को जोड़ आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता है।

शूट आउट की जानकारी नहीं होने का दावा

पांच माह पूर्व मई में गंज थाना क्षेत्र में अपराधिक घटना को अंजाम देने के पूर्व पकड़े गए चार शूटर्स के बारे में अमन ने पुलिस को बताया कि उसके द्वारा ही शूटर्स भेजे गए थे। तेलीबांधा शूट आउट मामले में अमन का कहना है कि उसे इस संबंध में जानकारी नहीं है। तेलीबांधा शूट आउट उसके बगैर किसी जानकारी के हुई है। पुलिस को अमन के कबूलनामे पर यकीन नहीं है। पुलिस इस संबंध में पड़ताल करने के बाद कुछ बता पाने की बात कह रही है।

पकड़े जाने के पूर्व सोशल मीडिया में फोटो शेयर

पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक अमन का फेसबुक अकाउंट मलेशिया में बैठा कोई सुनील राणा ऑपरेट कर रहा है। पुलिस को इस बात की जानकारी आईपी एड्रेस की जांच करने के बाद मिली। इसी तरह से अमन के पकड़े जाने के एक दिन पूर्व कनाडा में बैठे मयंक सिंह ने अपने फेसबुक अकाउंट से अमन साव का फोटो शेयर किया था।

अमन से 60 बिंदुओं पर पुलिस कर रही पूछताछ

अमन साव से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है, अमन साव से अब तक एसएसपी के साथ एएसपी क्राइम, एएसपी सिटी, डीएसपी क्राइम सहित सात पुलिस अफसर पूछताछ कर चुके हैं। पूछताछ में अमन ने लॉरेंस विश्नोई से डायरेक्ट संपर्क होने की बात से इनकार किया है। पूछताछ में स्थानीय अपराधिक घटनाक्रम के बजाय अमन अपने झारखंड के अपराधिक घटनाक्रम के बारे में बात कर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है।

लाखेनगर चौक का होगा सौंदर्यीकरण, नजर आएगी पहाड़ी मैना की सुंदर प्रतिकृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहर के लाखे नगर चौक में अब पहाड़ी मैना की सुंदर प्रतिकृति लोगों को लुभाएगी। सड़क चौड़ीकरण के बाद नगर निगम इस चौक को संवारने में जुटा हुआ है। सीएसआर मद से चौक सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है, ताकि इसकी सुंदरता बनी रहे।

■ चौक को आकर्षक स्वरूप देने की तैयारी

राजधानी के मुख्य मार्गों के चौराहों को सुंदर बनाने सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। विभिन्न उद्योग समूहों और व्यावसायिक संस्थाओं के सहयोग से यह कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में जोन 5 क्षेत्र स्थित लाखे नगर चौक को संवारने पहाड़ी मैना की सुंदर प्रतिकृति लगाई जाएगी। सन एंड सन ज्वेलर्स के सहयोग से सीएसआर मद में यह कार्य पूरा होगा। निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने लाखेनगर चौक का निरीक्षण कर चौराहे के सौंदर्यीकरण की ड्राइंग डिजाइन का अवलोकन सहायक कलेक्टर अनुपमा आनंद, जोन कमिश्नर विमल शर्मा की उपस्थिति में किया। श्री मिश्रा ने चौक के सौंदर्यीकरण कार्य की नियमित रूप से मानिटरिंग करने निर्देश दिए।

विदित हो, शहर में जीई रोड, विधानसभा रोड, वीआईपी रोड, एक्सप्रेस वे मार्गों पर विभिन्न उद्योग समूहों, व्यावसायिक संस्थानों के सहयोग से सौंदर्यीकरण का कार्य करवाया जा रहा है। इससे आने वाले दिनों में राजधानी के प्रमुख मार्गों का बदला हुआ स्वरूप देखने को मिलेगा।

सहकारी समिति के कर्मचारी आज से काली पट्टी लगाकर करेंगे काम, 3 से अनिश्चितकालीन हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सहकारी समितियों के कर्मचारी 18 से 21 अक्टूबर तक काली पट्टी लगाकर काम करेंगे। 3 सूत्रीय मांग को लेकर समितियों के प्रभारी प्रबंधक, लिपिक, सेल्समैन और भृत्य मांग पूरी नहीं होने पर 3 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल कर काम ठप करेंगे। प्रदेशभर के 2,058 सहकारी समितियों में कार्यरत 13 हजार कर्मचारियों ने 3 सूत्रीय मांग को लेकर शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ के आव्हान पर लामबंद कर्मचारी 18 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक काली

पट्टी लगाकर सांकेतिक रूप से विरोध जताएंगे। आंदोलन के दूसरे चरण में 21 नवंबर से 2 दिवसीय सामूहिक अवकाश लेकर जिला मुख्यालयों में धरना दिया जाएगा। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र साहू ने बताया कि कर्मचारियों की प्रमुख मांग में मध्यप्रदेश सरकार की तर्ज पर प्रदेश में भी छत्तीसगढ़ के 2,058 सहकारी समितियों के कर्मचाारियों के वेतन सहित अन्य सुविधाओं का लाभ देने प्रति वर्ष प्रत्येक समितियों को 3-3 लाख रुपए प्रबंधकीय अनुदान राशि प्रदान की जाए। सेवा नियम 2018 में आंशिक संशोधन करते हुए पुनरीक्षित वेतनमान लागू करने और समर्थन मूल्य पर धान खरीदी वर्ष 2023-24 में धान संग्रहण के बाद हुई संपूर्ण सूखत को मान्य करते हुए आगामी वर्ष के लिए धान खरीदी नीति में 16.9 फीसदी सूखत मान्य का प्रावधान करे।

भारत माला परियोजना में गड़बड़ी, नायब तहसीलदार सहित 3 पटवारी सस्पेंड

रायपुर। रायपुर जिले में भारत माला परियोजना के तहत अधिग्रहित की गई भूमि के स्वामियों को वास्तविक मुआवजा से कहीं ज्यादा का भुगतान कराकर शासन को करोड़ों रुपए का चूना लगाने वाले तत्कालीन नायब तहसीलदार सहित 3 पटवारियों को निलंबित कर दिया गया है। यह मामला अभनपुर ब्लॉक के गोबरा नवापारा क्षेत्र का है, जहां भारत माला परियोजना के तहत विशाखापट्नम इकोनॉमिक कॉरिडोर सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। अभनपुर ब्लॉक अंतर्गत भारत माला परियोजना के तहत विशाखापट्नम इकोनॉमिक कॉरिडोर सड़क के निर्माण के लिए यहां सैकड़ों की संख्या में किसानों सहित निजी भू-स्वामियों से जमीन अधिग्रहित की गई थी। इस जमीन के बदले भू-स्वामियों को मुआवजा राशि भी तय की गई। मुआवजा राशि तय करने की किस भू स्वामी की कितनी जमीन अधिग्रहित की जा रही है और उसके बदले उसे कितना मुआवजा राशि मिलना चाहिए, इसकी रिपोर्ट तहसील कार्यालय से तैयार की थी। इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए क्षेत्र के तत्कालीन नायब तहसील लखेश्वर प्रसाद किरण के अलावा पटवारी जितेंद्र साहू, दिनेश पटेल एवं लेखराम देवांगन को दी गई थी, जिनके द्वारा अधिग्रहित भूमि का सीमांकन से लेकर अन्य जानकारी दी गई थी। इस रिपोर्ट के आधार पर ही भू-स्वामियों को मुआवजा राशि का भुगतान भी किया गया था, लेकिन इनमें कई भू स्वामियों की अधिग्रहित की गई भूमि के एवज में वास्तविक मुआवजा से कहीं ज्यादा का भुगतान करा दिया गया है।

किसान कार्यकर्ताओं ने निकाली शोभायात्रा

रायपुर। भारतीय किसान संघ का 9 वां प्रदेश कार्यकारिणी का निर्वाचन रायपुर में संपन्न हुआ। नई कार्यकारिणी में माधो सिंग ठाकुर का सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर निर्वाचन हुआ एवं महामंत्री नवीन शेष को बनाया गया। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि भारतीय किसान संघ, छत्तीसगढ़ प्रदेश का तीन वर्षों में चुनाव होता है। निर्वाचन प्रक्रिया के पूर्व किसान संघ ने प्रदेश के ग्रामों में सदस्यता करने के बाद ग्राम समिति बनाई, ग्राम समितियों पर तहसील समिति एवं तहसील समिति के आधार पर जिला समितियों का चुनाव होता है।

विधायक ध्रुव ने विविध निर्माण कार्यों के लिए किया भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनक ध्रुव अंचल पहुंचे। जहां सबसे पहले वे ग्राम टोनहीडबरी टंकेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे जहां पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की। वहीं टंकेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण में 5 लाख रुपए का टिना शेड निर्माण के लिए भूमि पूजन करते हुए सभी ग्रामीणों को संबोधित करते हुए समस्याओं से अवगत हुए। जिसके बाद वे ग्राम कनसिंघी पहुंच मंदिर पारा में 1.50 लाख रुपए का रंगमंच निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। तत्पश्चात वे ग्राम मातर बाहरा पहुंचे जहां 11 लाख 92 हजार रुपए का माडल आंगनबाड़ी निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होते हुए सभी ग्रामीणों से भेंट मुलाकात कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। तत्पश्चात वे ग्राम पंचायत कोठीगांव के आश्रित ग्राम घोंटपानी पहुंचे जहां 3 लाख रुपए का सामुदायिक भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम

में शामिल होते हुए सभी ग्रामीणों से भेंट मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान सभी ग्रामों के ग्रामीणों ने उनका आत्मीय स्वागत करते हुए उनका धन्यवाद ज्ञापित की। इस अवसर पर विधायक जनक ध्रुव के साथ प्रमुख रूप से सैय्यद चिराग अली, ग्राम टोनहीडबरी के सरपंच हेमंत ध्रुव, ग्राम कनसिंघी के सरपंच प्रतिनिधि व ग्राम प्रमुख, ग्राम मातरबाहरा के सरपंच कृष्ण कुमार व ग्राम प्रमुख, ग्राम पंचायत कोठीगांव के सरपंच चमेली बाई कुंजाम, प्रतिनिधि दयालु कुंजाम,सोहन नैनसिंग, के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

सीईओ कंगाले ने कहा- लोकसभा चुनाव के बराबर होंगे 253 मतदान केंद्र

उपचुनाव : सुरक्षा बलों की पांच कंपनियों की तैनाती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि 13 नवंबर को रायपुर दक्षिण विधानसभा में उपचुनाव होना है। चुनाव को लेकर सुरक्षा के कड़े और पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। इस दौरान सुरक्षा बलों की 5 कंपनियां तैनात की जाएंगी। मतदाता पहचान पत्र के आधार पर ही मतदान होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने बताया कि इसके साथ ही 12 अन्य पहचान पत्र भी मान्य किए गए हैं। चुनाव की घोषणा होते ही रायपुर दक्षिण विधानसभा में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई है। रायपुर दक्षिण

विधानसभा सीट अनारक्षित सीट है। रायपुर दक्षिण विधानसभा में 253 मतदान केंद्र होंगे। कुल मतदाताओं की संख्या 2 लाख 70 हजार 936 है, जिसमें पुरुष मतदाता की संख्या 1 लाख 33 हजार 713 और महिला मतदाता की संख्या 1 लाख 37 हजार 171 है। इस सीट पर महिला मतदाता की संख्या पुरुष मतदाता से अधिक है। थर्ड जेंडर के कुल मतदाताओं की संख्या 52 है। रायपुर दक्षिण विधानसभा में सेवा मतदाताओं की संख्या 59 है। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 1188 है।

5014 करेंगे पहली बार मतदान: 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 5014 है, जो पहली बार मतदान करेंगे। 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 1711 है। 100 साल की आयु पूरे करने वाले मतदाताओं की संख्या 56 है। 85 आयु वर्ग के मतदाता अगर घर पर मतदान करना चाहते हैं, यानी कि डाक मत पत्र से तो 18 अक्टूबर से 5 दिनों के अंदर आवेदन कर सकते हैं या फिर मतदान केंद्र में मतदान कर सकते हैं।

ऐसा होगा चुनाव कार्यक्रम

रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर उप चुनाव 13 नवंबर को होना है, जिसके लिए निर्वाचन आयोग ने अपनी तैयारी भी पूरी कर ली है। रायपुर दक्षिण विधानसभा में आचार संहिता भी लागू हो गई है, इस दौरान सुरक्षा बलों की 5 कंपनियां भी तैनात की जाएंगी। अधिसूचना का प्रकाशन 18 अक्टूबर को होगा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर होगी। नामांकन पत्रों की समीक्षा 28 अक्टूबर होगी। नाम वापसी 30 अक्टूबर को रहेगी। मतदान 13 नवंबर को और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

धान खरीदी की तिथि कम करना सरकार की बदनीयती : बैज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, 14 नवंबर से धान खरीदी के निर्णय से सरकार की नीयत में खोट साफ नजर आ रहा है। सरकार ने 14 नवंबर से 31 जनवरी तक धान खरीदी का निर्णय लिया है। सरकार धान खरीदी 14 दिन कम करेगी। यदि शुरुआत देर से की जा रही है, तो खरीदी की अंतिम तिथि को 15 दिन आगे बढ़ाना चाहिये, ताकि सभी किसानों का धान समर्थन मूल्य पर बिक सके। खरीदी अवधि कम करना भाजपा सरकार बदनीयती का प्रमाण है। उन्होंने मांग की है कि सरकार किसानों का बकाया राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त का भुगतान दीपावली से पहले करे, ताकि किसान दीपावली मना सकें। उन्होंने कहा, सरकार की घोषणा के अनुसार 14 नवंबर से 31 जनवरी तक कुल 75 दिन के अंदर धान खरीदी का लक्ष्य है, इसमें से 35 दिनों लगभग एक महीना से अधिक छुट्टी है, अर्थात मात्र 40 दिन ही सरकार धान खरीदी करेगी। 40 दिनों में 30 लाख से अधिक किसानों के धान की खरीदी संभव नहीं। पंजीकृत किसानों की संख्या बढ़ी है, रकबा बढ़ा है। पैदावार भी ज्यादा हुई है। प्रति एकड़ खरीदी की लिमिट भी बढ़ी है, फिर खरीदी की अवधि कम करने का आधार क्या है? उन्होंने कहा, भाजपा सरकार इस वर्ष धान की खरीदी 3217 रुपए में करे, क्योंकि 3100 रुपए भाजपा ने अपने चुनावी वायदे में कहा था। केंद्र सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 117 रुपए बढ़ा दिया है, इस कारण इस वर्ष धान की खरीदी 3100 रुपए से बढ़ाकर 3217 रुपए किया जाये।

खबर संक्षेप

दिव्य उत्सव में 200 से अधिक छात्रों ने लिया भाग

रायपुर। दिव्य उत्सव 2.0 का आयोजन बड़ी सफलता के साथ संपन्न हुआ, जिसमें 8 स्कूलों के 200 से अधिक छात्रों और दो स्वयं सहायता समूहों, पटोरा और उपवार ने भाग लिया। यह कार्यक्रम बच्चों को सशक्त बनाने और उनकी रचनात्मकता को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। उत्सव की शुरुआत उत्साहपूर्ण वातावरण में फ्लैग बलून्स के वितरण के साथ हुई, जो कार्यक्रम की उत्सवी भावना का प्रतीक बने। वायआई रायपुर के को-चेयर गौरव अग्रवाल ने उद्घाटन भाषण में बच्चों की भागीदारी और सामुदायिक विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। अंत में पंकज सोमानी ने छात्रों को उनके लक्ष्यों की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया, साथ ही उन्हें हार न मानने की सलाह दी।

आचार्य विद्यासागर के जन्मोत्सव पर आचार्य छत्तीसी विधान

रायपुर। आचार्य 108 विद्यासागर महाराज के निर्वाण के पश्चात प्रथम जन्मोत्सव (शरद पूर्णिमा) के उपलक्ष्य में बुधवार को प्रात : आचार्य छत्तीसी विधान किया गया। खंडेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर सन्मति नगर, फाफाडीह के अध्यक्ष अरविंद बड़जात्या एवं सचिव सुरेश पाटनी ने बताया कि, इस मौके पर 36 गुनधारी आचार्य भगवंत का विशिष्ट संबंध और उनके उपकारों का स्मरण किया गया। पूरे छत्तीसगढ़ के जैन मंदिरों में एक ही समय पर आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन कर समाज की अखंडता एवं आचार्यश्री के प्रति सच्ची श्रधांजलि व्यक्त की गई। यह जानकारी पंचायत के प्रचार सचिव अतुल गोधा ने देते हुए बताया कि इसी तारम्य में श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल मंदिर का नाम भी गोल्डन बुक ऑफ रिकाड्र्स में दर्ज होने की संभावना है। विदित हो कि वर्ष 2024-25 को आचार्य शांतिसागर महाराज के आचार्य पदारोहण के शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

डीएमएफ घोटाले पर ईडी की कार्रवाई का स्वागत

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने ज़िला खनिज निधि में हुए घोटाले में ईडी द्वारा की गयी गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, राज्य के कोरबा, दंतेवाड़ा, जांजगीर चांपा, बलौदा बाजार और रायगढ़ में जिला खनिज निधि में लगभग 50 हजार करोड़ की बंदरबांट और घोटाले की सबसे पहले जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने 8 जून 2021 को प्रधान मंत्री और 1 जून को ईडी को लिखित में दस्तावेजी प्रमाण के साथ शिकायत की थी। मुझे खुशी है आज इस मामले में ईडी ने पहली गिरफ्तारी की है।

22 अक्टूबर को राज्य स्तरीय कार्यशाला

रायपुर। कानूनी मार्गदर्शन केंद्र छत्तीसगढ़ द्वारा 22 अक्टूबर को होटल ग्रांड अर्जुन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा। इस दौरान ' महिलाओं के खिलाफ लैंगिक हिंसा और पीड़ित क्षतिपूर्ति से संबंधित कानून' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री से धान खरीदी 25 से करने का किया अनुरोध

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष धनेंद्र साहू ने किसान हित में दीपावली पर्व को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार से 25 अक्टूबर से धान खरीदी का निर्णय लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ में हरूणा अन्य अल्प अवधि में पकने वाले धान पक कर तैयार है जिसकी कटाई होने वाली है। इस समय बरसात अच्छी होने से धान पिछले वर्ष से ज्यादा होगा। किसानों के चेहरे पर खुशी की लहर है लेकिन 15 नवंबर से धान खरीदी की खबर सुनकर दुखी है क्योंकि दीपावली पर्व नजदीक है।

खबर संक्षेप

फिंगेश्वर दशहरा में शामिल हुए तिमिरेंदु

फिंगेश्वर। प्रदेश के सीएम विष्णुदेव साय के दमाद कंवर समाज के नेता समाज सेवी तिमिरेंदु शेखर कंवर भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनीष हरित के निवास पहुंचे। उसके बाद फिंगेश्वर के राजा निलेन्द्र बहादुर सिंह से भेट मुलाकात कर माता मौली के दर्शन किये। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा के किसान मोर्चा महिला मोर्चा के साथ साथ युवा मोर्चा के कार्यकर्ता भी शामिल हुए। मनीष हरित के निवास पर माता मंजू हरित, सुलोचना हरित, शकुंतला हरित, धनंजय हरित, असीम हरित, यश, शौर्य, नगर से जितेंद्र शर्मा, अरेंद्र पहाड़िया, महावीर यादव, भुवन साहू, जगदेव सिन्हा, संतराम, गोलू साहू, अजय साहू, गगन, गुलशन, संतोषी श्रीवास्तव, लक्ष्मी श्रीवास्तव, भुनेश्वरी साहू आदि उपस्थित थे। श्री कंवर के साथ भाजपा युवामोर्चा प्रदेश कार्यसमिति के मनमीत, आकाश पाण्डेय, महेश छाबड़ा, बग्गी भी पहुंचे थे।

एक्सीडेंट में युवक घायल

महासमुंद। चार पहिया वाहन की टक्कर से बाइक में सवार एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने मामले में आरोपी वाहन चालक के खिलाफ जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस को प्रार्थी होरी लाल साहू ने बताया कि 12 अक्टूबर को अपने दोस्त गजेंद्र निषाद के साथ उसके मोटर सायकल क्र. सीजी 06 जीवी 7251 से दशहरा त्यौहार, दुर्गा विसर्जन देखने खरोरा गए थे।

पेज 11 के शेष...

आधार सीडिंग...

मसाहती व असर्वेक्षित ग्रामों का सर्वेक्षण, नक्शों के जियोरेफेरेसिंग, आदि के संबंध में ग्रामवार जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने भू-नक्शा अद्यतीकरण की स्थिति, राजस्व अभिलेखों में त्रुटि सुधार प्रकरणों का निराकरण की स्थिति, वन अधिकार पट्टा हेतु आवेदन जांच हेतु आवेदनों की स्थिति की जानकारी लेकर लंबित प्रकरणों को तेजी से निराकरण के निर्देश दिए।

कुण्डेल-मड़वाडिही...

बावजूद भी 5 वर्षों से उपेक्षित है। रोड की कुल लंबाई 12 किलोमीटर है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे और गिट्टी निकली हुई है। जिससे साइकिल व बाइक, बस सवार व्यक्तियों को काफी कठिनाइयां होती है। खेती- किसानी में लगे किसानों भी असुविधा हो रहा है। कई-बार बोल्डर से बाइक टकराकर गिर जाता है। इसके अलावा पैदल चलने वालों को भी कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। सड़क की हालत बद से बदतर होती जा रही है। इस रास्ते से कोई भी चार पहिया वाहन चलाने पर दस बार सोचता है।

पेट्रोल पंपों के ...

रहने चाहिए। ऐसा ना होने पर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही संस्थित की जाएगी। खाद्य अधिकारी ने बताया कि पम्प संचालकों को पब्लिक टायलेट के रख-रखाव एवं मूलभूत सुविधा दुरूस्त रखने के लिए सभी संचालकों को लिखित निर्देश जारी कर दिया गया है।

विड़बना : सालभर पहले मछली बीज डाला, लेकिन 100 ग्राम भी नहीं बढ़ा

किसानों को सब्सिडी में मछली बीज देने का जिक्र पर हकीकत में नकद में ही हो रही बिक्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

जिले में मछली पालक कृषक छले जा रहे हैं। विभाग के रिकॉर्ड में किसानों को सब्सिडी में मछली बीज देने का जिक्र पर हकीकत में किसान नगद भुगतान कर लाए थे। बीज, साल भर में 100 ग्राम भी मछली नहीं बढ़ा। आरटीआई से मिली जानकारी से हुए खुलासे के बाद संभाग आयुक्त से शिकायत की गई है। मत्स्य विभाग में ग्रामीण मछली पलकों को बढ़ावा देने राज्य व केंद्र सरकार की कई योजनाएं संचालित हैं, पर जानकारी के अभाव में मत्स्य पलकों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है या वे ठगे जा रहे हैं। मामले का खुलासा आरटीआई से निकाले गए दस्तावेज से हुआ। कार्यकर्ता मोहम्मद लतीफ द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में योजना पर किए गए व्यय की जानकारी निकाली गई थी। दस्तावेज के मुताबिक इस वित्तीय वर्ष में जिले के आदिवासी व गैर आदिवासी 168 मछली पलकों को 50 प्रतिशत सब्सिडी के आधार पर 10 लाख 10450 रुपए के उन्नत किस्म के मछली बीज उपलब्ध कराने का दावा किया गया है। रिकार्ड में मैंनपुर ब्लॉक के कोयबा गांव के 20 हितग्राहियों का नाम भी था, जिनसे मिलने पर सब्सिडी के बजाए नगद भुगतान कर बीज लाने की बात किसानों ने बताया है।

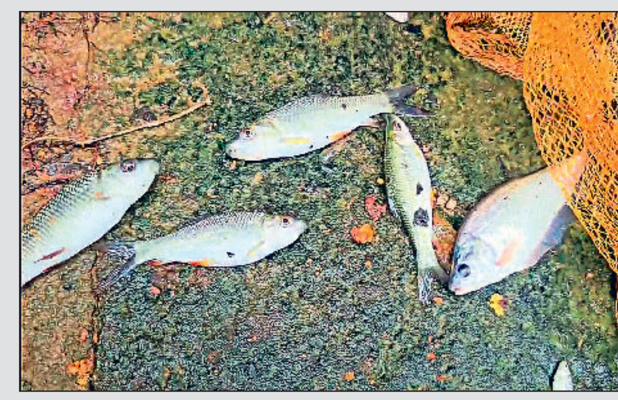

लीज पटाने लायक भी नहीं निकला मछली

ठगे जाने के अहसास उन्हें पहले से हो गया था, जब बीज की रकम उन्हें खाते में आने की बात कही गई थी और नहीं आया। कोयबा के उस तालाब लेकर किसान हमें गए जहां साल भर पहले मछली बीज डाला गया था। हमारे सामने ही मछली का जाल फेंक जब मछली बाहर निकाला तो उसमें 50 ग्राम वजनी मछली नहीं निकला जबकि इन्हें 6 माह में एक से दो किलो वजन होने का दावा विभाग ने किया था।

रिकार्ड में जिनका नाम सभी को मिला सब्सिडी पर बीज

मामले में मत्स्य विभाग के उप संचालक आलोक वशिष्ठ ने आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि जिनका नाम रिकार्ड में उन सभी को सब्सिडी में बीज उपलब्ध कराया गया है। उनसे पैसे दिए गए मात्र के कूल कीमत के आधे ही लिए गए है। श्री आलोक ने आगे बताया कि मछली नहीं बढ़ने के कई कारण हो सकते है लेकिन किसानों को अनुदान दिया गया है।

संभाग आयुक्त से शिकायत

आरटीआई कार्यकर्ता ने रिकार्ड में किए दावे के मिलान के बाद मामले में मत्स्य विभाग पर योजना क्रियान्वयन में भारी गड़बड़ी का आरोप लगा कर रायपुर संभाग आयुक्त से इसकी लिखित शिकायत किया है। शिकायत कर्ता मोहम्मद लतीफ ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में 26 लाख के मछली जाली और 15 लाख से ज्यादा कीमत के आइस बॉक्स खरीदी की गई, विभाग ने इसे किन हितग्राहियों को दिया उसकी जानकारी नहीं दिया। लतीफ ने आरोप लगाया कि सब्सिडी योजना की तरह नेट और आइस बॉक्स वितरण में भी भारी अनियमितता किया गया है। विभाग प्रत्येक साल मछली वितरण ही नहीं जिले के कई छोटे- छोटे मछली बीज पालकों से बीज खरीदी का दावा कर लाखों का भुगतान किया है। समस्त व्यय की जांच की गई तो कई चौकाने वाले खुलासे होने का दावा किया है।

खाते में पैसा वापस करने का झांसा देकर लिए थे आधार कार्ड

मामले की सच्चाई जानने हमने रिकार्ड में नाम उल्लेखित कृषकों में से श्री राम नेताम, लंबर सिंह,कुंवर सिंह, छत्तर सिंह , आशिक मांझी से मुलाकात किया।सभी किसी भी प्रकार के योजना से अनभिज्ञता जाहिर किया,कहा कि पिछले साल मछली विभाग के कर्मचारी उनसे संपर्क किए,उन्हें उच्च क्वालिटी के मछली बीज सस्ते कीमत में दिलाने का दावा किया गया ,सभी उनके कहने पर पिकअप किराए में ले कर गरियाबंद मछली डिपो तक पहुंचे।सभी से 4–4 हजार रुपए लिए गए, फिर मछली की मात्र जितनी दिया वो उन्हें बाजार कीमत से भी महंगा लगा।किसानों ने कहा कि जितने लोगों को मछली बीज दिया गया सभी से विभाग के लोग आधार कार्ड की कॉपी मांग लिए थे और वादा किया था कि फंड आने पर उनके खाते में पैसे जमा करा देंगे। मामला सितम्बर 2023 का बताया।

कम्प्यूटर आपरेटर संघ का अंदोलन जारी संशोधन और सुधार का काम प्रभावित

वर्षों से काम कर रहे कम्प्यूटर आपरेटरों को अपने विभाग का नाम ही नहीं पता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

इससे आश्चर्य की बात और क्या हो सकती है कि सालों से काम कर रहे कम्प्यूटर आपरेटरो को अपने विभाग का ही नाम नहीं पता है। यह हम नहीं बल्कि क्षेत्र के कम्प्यूटर आपरेटर अनीस मेमन, भोजराम साहू, नरेन्द्र सिन्हा, देवकरण पांडे, दिलीप सिन्हा, उपेश्वर चन्द्राकार, चेतन कंवर, सचिन साहू सहित सभी कम्प्यूटर आपरेटर कह रहे हैं और आंदोलन कर सरकार से पूछ रहे हैं कि वे किस विभाग के तहत आते हैं। दरअसल क्षेत्र सहित जिले भर के सहकारी समिति और धान खरीदी केन्द्रों में बतौर कम्प्यूटर आपरेटर काम करने वालों को अब तक पता ही नहीं है कि वे किस विभाग में आते हैं। विपणन विभाग, सहकारिता विभाग, अपेक्स बैंक या सहकारी समिति सोसायटी। ऐसे में अपने विभाग का नाम पूछने

के साथ अन्य कई मागों को लेकर बीते 18 सितंबर से ये कम्प्यूटर आपरेटर प्रदर्शन कर रहे हैं, आज 30 दिन होने को है। इसके कारण न तो किसान पंजीयन हो पा रहा है और न ही खाद का समायोजन। संशोधन और सुधार का काम भी पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है। क्षेत्र में समिति के अंतर्गत कइयों कम्प्यूटर आपरेटर का काम कर रहे हैं। इन आपरेटरों को अब तक पता नहीं है कि ये किस विभाग के अंडर आते हैं, ऐसे में छंग समर्थन मूल्य धान खरीदी कम्प्यूटर आपरेटर संघ ने बीते 18 सितंबर से अनिश्चितकालीन आंदोलन पर चले गए हैं। इसमें पहला मांग डाटा एंट्री आपरेटरो का विभाग तय करने और संविदा वेतनमान 27 फीसदी वृद्धि का लाभ देकर 23 हजार 350 रूपए बीते अगस्त से मांग शामिल हैं। अनीस मेमन, भोजराम साहू, नरेन्द्र सिन्हा, देवकरण पांडे, दिलीप सिन्हा, उपेश्वर चन्द्राकार, चेतन कंवर ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए ये कम्प्यूटर आपरेटर बीते 2007 से काम कर रहे हैं। याने करीब 17 साल बीत चुके हैं, लेकिन अब तक इनका विभाग तक तय नहीं किया गया। ऐसे में पहले तो विभाग तय करने और वेतनमान बढ़ाने के लिए अब अनिश्चितकालीन आंदोलन कर रहे हैं। अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर राजधानी के नवा रायपुर स्थित माना तूता में प्रदर्शन किया जा रहा है। यह आंदोलन अनिश्चितकालीन है।

पूर्णिमा की रात चंद्रमा की रौशनी ...

मैनपुर। जिले के मैनपुर विकासखण्ड के घने जंगल चौकसील पहाड़ी के ऊपर शरद पूर्णिमा की रात चन्द्रमा की रौशनी में मेला का मनोरम दृश्य यह तस्वीर आधी रात 2 बजे के आसपास लिया गया है। पूर्णिमा की रात चन्द्रमा की शीतला और अमृत वर्ष से लोगों का मन प्रफूल्लि हो उठा है।

कचना ध्रुवा कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया

छुरा। स्थानीय कचना ध्रुवा महाविद्यालय छुरा को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 के तहत संचालित बीए, बीकॉम प्रथम वर्ष सेमेस्टर परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिसमे नियमित विद्यार्थियों के साथ-साथ स्वाध्यायी विद्यार्थी भी परीक्षा दे सकते है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी. के.साहू ने बताया कि विश्व विद्यालय में स्वाध्यायी विद्यार्थियों का पंजीयन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर तक है।तत्पश्चात स्वाध्यायी विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति महाविद्यालय में उपलब्ध G E/VAC/SEC कोर्स का विद्यार्थियों से सहमति उपरांत आबंटन किया जाएगा। तब कही जाकर प्राइवेट परीक्षार्थी सेमेस्टर परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते है। परीक्षा आवेदन की तिथि 15 से 25 नवंबर तक है। प्राचार्य ने बताया कि स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए संबंधित महाविद्यालय द्वारा दो आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा का भी आयोजन किया जाएगा जिसका जिसका परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय को प्रायोगिक परीक्षा की परिणाम के साथ प्रेषित किया जाएगा।जिसकी तिथि विश्वविद्यालय द्वारा 1 नवंबर से 10 दिसंबर तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा प्रभारी व प्राचार्य डॉ. साहू ने बताया कि महाविद्यालय संचालन समिति ने स्वाध्यायी परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा शुल्क शासकीय महाविद्यालय के बराबर ही लिया जाएगा। इच्छुक स्वाध्यायी विद्यार्थी नियत तिथि 20 अक्टूबर तक तक ऑन लाइन पंजीयन कराकर आवेदन कर सकते है और अधिक जानकारी के लिए महाविद्यालय में संपर्क कर मार्ग दर्शन ले सकते हैं।

खुड़ियाडिही से बारूला सड़क गड्ढे में तब्दील

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा बेलर

लोक निर्माण विभाग फिगेंश्वर सब डिवीजन के अन्तर्गत खुड़ियाडिही से बारूला सड़क मार्ग तीन साल से खराब है। खुड़ियाडिही और बारूला के बीच अनेक जगह गड्ढा मिलेगें। कुछ ही दिनों में धान खरीदी शुरू होने वाली है, किसान उपार्जन केन्द्र पहुंचने का एक मात्र मार्ग है। विभागीय अधिकारी आम जनता को आश्वासन देते हैं कि शीघ्र बन जाएगा। अभी एक पुल बनाने का कार्य शुरू हो रहा है पर ये सड़क अभी जब तक गड्ढा मुक्त नहीं होता दिख रहा है। बारिश के मौसम में पानी भरा रहता है। आए दिन दुर्घटना होती है। पर कोई ध्यान नहीं देता। क्षेत्र के लोगों ने शीघ्र सुधार करने की मांग की है।

शीघ्र मरम्मत की मांग

मरम्मत की जाएगी

पीडब्लूडी सब इंजीनियर नवीन श्रीवास्तव ने कहा कि अभी पुल बनाने का कार्य शुरू हो रहा है। अन्य सड़क में काम चल रहा है। उसके बाद इसमें सुधार की जाएगी।

फसल चक्र अपनाने किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

दवा का छिड़काव के समय हाथों में दस्ताने व सिर पर कैप पहने

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

फसल चक्र अपनाने के लिए ग्रीष्मकालीन धान के बदले चना गेहूं सरसों मटर उड़द मूंग तीवरा मसूर लगाने के लिए ग्राम अरंड में कृषक समृद्धि चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें लगातार धान लगाने के दुष्प्रभाव फसल चक्र अपनाने के फायदे जल उपयोगिता क्षमता में वृद्धि करने के लिए ड्रिप और प्रिंकलर सिस्टम का उपयोग कृषि उत्पादक संगठन द्वारा ब्रांडिंग पैकेजिंग एवं विपणन विषयों पर किसानों को प्रशिक्षण दिया गया।भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रलय के वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के अंतर्गत केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र, रायपुर के द्वारा किसानों को आईपीएम किट का वितरण किया गया। वैज्ञानिक सहायक कन्हैया लाल ने बताया कि फसलों की सुरक्षा के लिए कीटनाशकों की छिड़काव के समय अगर सावधानी नहीं बरती गई तो किसानों की जान पर आ सकती है। कीटनाशक छिड़कावों के समय अप्रोन जरूर पहनें। इससे शरीर पर जो डायरेक्ट प्रभाव पड़ता है, उससे बच सकते हैं। छिड़काव के समय हाथों पर दस्ताने, सिर पर कैप, आंखों पर चश्मा एवं मुंह पर मास्क और पैरों में जूते जरूर पहनें। कार्यक्रम में उज्जवल शर्मा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, किसान मित्र सुशील एवं सरपंच मुकेश कुमार साहू आदि मौजूद थे।

शरदोत्सव : सांसद बृजमोहन और विधायक इंद्रकुमार का ब्राम्हण समाज ने किया भव्य स्वागत

ब्राम्हण समाज अन्य समाज को भी करें संस्कारित : बृजमोहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नवापारा-राजिम

नवापारा ब्राम्हण समाज द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल और अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक इंद्रकुमार साहू का ढोल-ढमाके के साथ ब्राम्हण समाज ने भव्य आतिशी स्वागत करते हुए फुल मालाओं से लाद दिया। मंच में पहुंचते ही सांसद श्री अग्रवाल ने भगवान परशुराम के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूजा के दौरान पंडित कन्हैया तिवारी, दिनेश तिवारी, संतोष मिश्रा, पदुम पांडे, देवेंद्र मिश्रा, विजय शर्मा की अगुवाई में ब्रम्हचर्य आश्रम के 73 बाल ब्रम्हचारी बच्चों ने स्वस्तिवाचन कर माहोल को धर्ममय बना दिया। इस अवसर पर हजारो की संख्या में मौजूद समाज के लोगों को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन ने ब्राम्हण समाज की जमकर तारीफ किया कहा कि धर्म का बहुत तेजी से ह्रास हो रहा है। अतएव अन्य समाज को भी सुधारने, संस्कारित करने ब्राम्हण समाज अगुवाई करे। चूंकि संस्कार धीरे-धीरे खत्म होते चला जा रहा है लिहाजा उसकी रक्षा करना और संस्कारित करने का काम जरूरी हो गया है। बाकी समाज को भी धर्म के रास्ते पर ले जाए। कहा कि आज उच्च शिक्षा के लिए कम से कम 12वीं तक की पढ़ाई स्थानीय स्तर पर हो, बच्चों को बाहर न भेजे वर्ना अपने दादा-दादी को भी वे नहीं जान पाएंगे और यदि वे इसी के साथ बाहर कॉलेज चले गए तो माता-पिता को भी भुल जाएंगे।

शरद पूर्णिमा दो ऋतुओं का संगम

श्री अग्रवाल ने कहा कि छोटे-छोटे मासूम बच्चों को शिक्षा के साथ ही संस्कार और धार्मिक बातें भी अभी से बताएं। रामायण, भागवत, गीता सुनाएं तो ये बच्चे आगे चलकर धर्म के रास्ते में चलेंगे। बच्चे कहीं बाहर जाए तो भगवान के सामने हाथ जोड़कर एवं माता-पिता का प्रणाम करके जाएं। कहा कि शरद पूर्णिमा दो ऋतुओं का संगम है। इसी रात अमृत बरसता है। सभी को अमृत मिले, स्वस्थ रहे, मस्त रहे, परिवार की सेवा करते रहे। मारे देश में वेद, पुराण ,शास्त्र पूजा ,पाठ और यदि धर्म बचा है तो उसका सबसे बड़ा आधार हमारा ब्राम्हण समाज है। ब्राम्हण समाज को विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 25 लाख रूपए देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ आर बी शर्मा,डॉ ए के शर्मा,रमाकांत शर्मा,नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष प्रसन्न शर्मा, कैलाश शुक्ला, नगर पालिका के पूर्व सभापति रमेश तिवारी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ शर्मा, कोर कमेटी-आयोजन समिति के अध्यक्ष श्यामकिशोर शर्मा, ज्ञानेश शर्मा, अनंत पुराणिक, अजय तिवारी, मनहरण शर्मा, गुड्डू मिश्र, कैलाश तिवारी, शिव तिवारी, अंकित शर्मा, युवराज पांडे, आशीष दीवान, हिमांशु दुबे, प्रवीण कल्ला, मुन्ना मिश्रा, प्रशांत मिश्रा, पियुष शर्मा, राजिम ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, विकास तिवारी, सुनील तिवारी, चंद्रशेखर मिश्रा, आलोक शर्मा, अशोक मिश्रा, रामनारायण मिश्रा, विवेक शर्मा, सबेरा शर्मा, धीरेंद्र शर्मा, सागर शर्मा, नीरज शर्मा, यथार्थ शर्मा, एनके शर्मा, महितोष शर्मा, कृष्ण कुमार तिवारी, अजय शुक्ला, तुषार तिवारी, आशीष अवस्थी, असीम दुबे, जवाहर शर्मा, गौतम शर्मा, अभनपुर ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष सनत शर्मा, समाज की महिला अध्यक्ष सुभाषिनी शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष रेखा तिवारी, सुअंजना उपाध्याय, अनामिका तिवारी, तनु मिश्रा, रश्मि तिवारी, किरण तिवारी, डॉ. श्वेता पांडे, सोमा शर्मा, पदमा दुबे, मनीषा शर्मा, संध्या शर्मा, प्रीति पांडे, रानी मिश्रा, रेणुका तिवारी, पूनम दीवान, किरण तिवारी, रुचि शर्मा, पुष्पांजलि तिवारी , नीरजा पांडे, तारणी शर्मा, कौमुदी शर्मा, कुमुदनी शर्मा, सेजल शर्मा, कुमुद पुराणिक, वत्सला शर्मा, तारणी शर्मा, कुमारी शर्मा, नेहा शर्मा, देव कुमारी मिश्रा, योगिता दुबे, उमा शर्मा, अनीमा मिश्रा, सुनीता शर्मा, अमिता शर्मा, स्मृति शर्मा, स्मिता शर्मा, ममता मिश्रा, भावना शर्मा, मुक्ता शर्मा, विद्या तिवारी, वंदना शर्मा, पुनम दुबे, पुनम पांडे, पुष्पलता दुबे, हितेश्वरी द्विवेदी, वंदना दुबे, प्रतिभा शर्मा, वर्षा तिवारी, बरखा तिवारी, रानी पांडे, सीमा शर्मा, प्रीति शर्मा, शताक्षी शर्मा, ममता शर्मा, सरोज शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

ब्राम्हण समाज में नेतृत्व करने की बेहतर गुण और क्षमता है : इंद्रकुमार

इस अवसर पर विधायक इंद्रकुमार साहू ने कहा कि शरद पूर्णिमा का पर्व भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने का दिन है। ब्राम्हण समाज एक ज्ञानी समाज है और ब्राम्हण समाज हम सबको मार्गदर्शन प्रदान करने वाला समाज है आज अगर एक सामान्य परिवार से किसान पुत्र मंच पर खड़ा होकर विधायक के रूप में उदबोधन दे रहा है तो कहीं ना कहीं ब्राम्हण समाज के योगदान से दे रहा है। ब्राम्हण समाज में नेतृत्व करने की बेहतर गुण और क्षमता है जिसे स्वीकार करने में हमें जरा भी झिझक नहीं है। उन्होने ब्राम्हण समाज की मांग के अनुरूप विधायक श्री साहू ने 10 लाख रुपए विकास कार्य हेतु प्रदान किया। साथ ही विधायक श्री साहू ने विकसित भारत सहित विकसित छत्तीसगढ़ राष्ट्र बनाने में आम लोगों की सहभागिता निभाने हेतु आह्वान भी किया।

हर समाज के प्रति रखते हैं प्रेम का वातावरण : प्रसन्न

समारोह की अध्यक्षता पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर उन्होने सांसद श्री अग्रवाल एवं विधायक इंद्रकुमार साहू की जमकर तारीफ किया और आभार व्यक्त किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष हरिभूमि के ब्यूरोचीफ श्यामकिशोर शर्मा ने अभिनंदन पत्र भेंट करते हुए नवापारा ब्राम्हण समाज द्वारा किए गए विशेष कार्यो का उल्लेख किया। नगर पालिका परिषद के नेता प्रतिपक्ष प्रसन्न शर्मा ने संचालन किया। इसके साथ ही उन्होने यह भी कहा कि ब्राम्हण समाज सर्वसमाज को लेकर चलने वाला समाज है। हर समाज के प्रति सद्भावना और प्रेम का वातावरण रखते है। कुछ बाहरी लोग धर्म और जाति के आधार पर राजीनति करते हुए समाज में कड़वाहट घोलने और फुट डालने की कोशिश करते है जिसे नाकाम करना हम सभी की जिम्मेदारी है। छत्तीसगढ़ एक शांत प्रदेश है। यहां हम सब समरसता के वातावरण में भाईचारे की भावना के साथ एक दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े होते है यही हम छत्तीसगढ़वासियो की खासियत है।

खबर संक्षेप

खुटेरी में चला मतदाता जागरूकता अभियान

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशन में जनपद पंचायत फिंगेश्वर अंतर्गत ग्राम खुटेरी में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत गांव में मतदाता जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण एवं जागव वोटर जाबो कार्यक्रम आयोजित कर प्रचार प्रसार किया गया। इसके माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। ग्रामीणों ने मतदान एवं चुनावी प्रक्रियाओं से अवगत होकर अन्य लोगों को भी निर्वाचन के समय मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। मतदाता रैली के दौरान ग्रामीणों ने मतदान को प्रेरित करने वाले विभिन्न प्रकार के श्लोगन एवं नारों से ग्रामीणों को जागरूक किया। साथ ही युवा वर्गो को भी मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की।

राज्य सरकार केंद्र के समान डीए दें : रामसाय

मुड़ागांव(कोरासी)। राज्य शासन द्वारा 1 अक्टूबर से चार प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाया गया जिससे राज्य के कर्मचारी अधिकारियों अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहा हैं। जिससे राज्य के कर्मचारी अधिकारियों को 9 माह का नुकसान हुआ है। शिक्षक प्रधान पाठक संघ के कार्यकारी प्रान्ताध्यक्ष रामसाय टाण्डे ने कहा की राज्य शासन को केंद्र से दे तिथि से चार प्रतिशत डीए का एरियस दिया जाना चाहिए।

गौ माता की सेवा और संरक्षण जरूरी : गेंदु

मैनपुर। गौमाता में 33 करोड़ देवी देवताओं का वास है गौ माता की सेवा एवं दर्शन मात्र से ही सभी कष्टो का निवारण हो जाता है गौ संरक्षण के दिशा में राज्य और केन्द्र सरकार को आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है। उक्त बाते ब्लाक कांग्रेस महामंत्री एवं सर्व यादव समाज के जिला महासचिव गेंदु यादव ने कही। श्री यादव ने कहा की गाय को राज्यमाता का दर्जा दिया जाए और बंद पड़े गौठानो को प्रारंभ किया जाए साथ ही वहां चारा पानी की व्यवस्था किया जाए।

विद्यार्थियों को साइबर अपराध से कैसे बचें, बताए गए उपाय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रसेला

साइबर जन जागरूकता पखवाड़े के अंतर्गत गुरुवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रसेला में छात्रों के लिए साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छुरा थाना प्रभारी दिलीप मेश्राम, एसआई खुमान साहू, हवलदार धनुष निषाद, आरक्षक पार्वती ध्रुव, प्रभारी प्राचार्य गजानंद साहू, उपसरपंच परमेश्वर यादव, शिक्षक संजय डोंगरे, गैंदालाल खुटे, उषा देवांगन सहित सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं उपस्थित रहे। थाना प्रभारी दिलीप मेश्राम ने सभी छात्र- छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम में खासकर छात्रों को उनके ऑनलाइन जीवन से जुड़े खतरों जैसे फिशिंग, पासवर्ड हैकिंग और सोशल मीडिया की गोपनीयता के बारे मे बताया गया। थाना प्रभारी ने बच्चों को साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर जागरूक किया, जिसमें सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता और संदिग्ध लिंक से बचने के उपाय शामिल थे। साथ ही उन्होंने छात्रों को शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए मोटिवेशनल स्पीच दी, जिसमें उन्हें डिजिटल युग में जिम्मेदारी और सतर्कता से जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। छात्रों को यहां भी कहा कि अज्ञात लिंक पर कभी भी क्लिक न करें, सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी साझा करने से बचें और मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें। अंग्रेजी शब्द में पुलिस का एक एक वड का मायने विस्तार पूर्वक से समझाया गया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए जागरुकता को सबसे कारगर उपाय बताया और सभी को सतर्क रहने की सलाह दी। इस दौरान शिक्षक चिंता राम जैन, कुंजल जगत, ओमकुमारी साहू, कुलेश्वरी मरकाम, देवेन्द्र ध्रुव, देवलाल निषाद, सुंदर ठाकुर, सहित सभी कक्षाएं के छात्र छात्राओं उपस्थित थे।

किसानों की दिवाली के लिए धान खरीदी 25 से शुरू करने की मांग

अभनपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ कांग्रेसी धनेन्द्र साहू ने भाजपा शासन द्वारा 15 नवम्बर से धान की खरीदी घोषणा पर पुनः विचार करते हुए दीपावली पर्व को देखते हुए किसान हित में किसानो की दिवाली सूनी न हो इसलिए 25 अक्टुबर से धान खरीदी करने का मांग किया है। छत्तीसगढ में हरूणा व अन्य अल्प अवधि में पकने वाले धान पक कर तैयार है जिसकी कटाई होने वाली है इस समय बरसात अच्छी होने से धान पिछले वर्ष से ज्यादा होगा। किसानो के चेहरे पर खुशी की लहर है लेकिन 15 नवम्बर से धान खरीदी की खबर सुनकर दुखी है क्योकि दीपावली पर्व नजदीक है एवं जो धान काटेगे उसे खेत से ढुलाई कर ब्यारा में रखना पडेगा फिर 15 नवम्बर के बाद ब्यारा से सोसायटी ले जाना पडेगा, इससे परिवहन में खर्च भी बढ जायेगा । इसी तरह छोटे किसानो को दिवाली पर्व पर आवश्यक समान खरीदने के लिए रूपयो की जरूरत पड़ती है एवं किसान अपना धान दलालो को कम दाम पर बेचने मजबूर होंगे। किसानो की मजबूरी का फायदा उटाकर दलाल औने-पौने दाम पर धान खरीदेंगे । ऐसा लग रहा है विष्णुदेव साय की भाजपा सरकार गीला धान का बहाना बनाकर किसानो को भ्रमित कर दलालो को प्रशय दे रही है । पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू ने किसान हित में दीपावली पर्व को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार से 25 अक्टूबर से धान खरीदी का निर्णय लेने का मांग किया है ।

शासन की नीतियां गरीबी दूर करने में होती है सहायक : डॉ. आंनद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छुरा

अन्तर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस के अवसर पर कला एवं मानविकी विभाग, आईएसबीएम विश्वविद्यालय के तत्वावधान में गुरुवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया जो 'भारत में गरीबी कारण एवं निवारण' विषय पर केंद्रित रहा। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद महलवार थे तथा विशिष्ट वक्ता के रूप में शैक्षणिक अधिष्ठाता डॉ एन कुमार स्वामी तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ शुभाशीष विश्वास थे। कार्यक्रम में बोलते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद महलवार ने कहा कि स्किल की कमी गरीबी का मुख्य कारण है। आज के समय में शासन के स्तर पर तमाम सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है जिससे लोग गरीबी में कमी आई है। शासन की नीतियों के कारण कई लोग आज गरीबी रेखा से ऊपर उठ चुके हैं। लेकिन हमें शासन की नीतियों से आलसी नहीं होना चाहिए बल्कि अपनी मेहनत से देश को और भी मजबूत बनाने में योगदान देना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित शैक्षणिक अधिष्ठाता डॉ एन कुमार स्वामी ने कहा कि गरीबी का मुख्य कारण शिक्षा की कमी और स्वास्थ्य सुविधाओं का न होना है। अगर समय के माँग के हिसाब से हम अपने स्किल को विकसित नहीं करेंगे तो गरीबी के अभिशाप से मुक्त नहीं हो पाएंगे। आज के समय की ज़रूरत है अच्छी शिक्षा और समूची स्वास्थ्य व्यवस्था। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ शुभाशीष विस्वास ने कहा कि गरीबी एक मानसिक बीमारी है। जनसंख्या वृद्धि से संसाधनों में कमी होती जा रही है। हमें अपने आय को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम के दूसरे हिस्से में वाद-विवाद प्रतियोगिता भारत में गरीबी संसाधनों की कमी या नीतिगत कमज़ोरी पर केंद्रित रहा। इस कार्यक्रम में तेजराम साहू, कुणाल साहू, विकास दुबे, तेजराम साहू, नीरज कुमार, चिन्मया, मिथिलेश, तनुजा और रूपेश ने भाग लिया। निर्णायक मंडल की भूमिका छायांगी महामला, डॉ. अश्वनी कुमार साहू ने निभाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ दिवाकर तिवारी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कृष्ण कुमार ने दिया। इस मौके पर विभाग के शिक्षक अशोक कुमार, रमेश कुमार नायक, हरीश कुमार, ममता साहू, आदि मौजूद रहे।

शिकारियों की सूचना देने वालों को मिलेगा 15 हजार रुपए का इनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मैनपुर

वन्य प्राणियों के शिकार को रोकने एवं वन्य प्राणियों को सुरक्षित रखने के लिए वन विभाग द्वारा एक अनोखी मुहिम शुरू किया। वन विभाग के बैरियर वॉल पेटिंग के माध्यम से शिकारियों पर नकेल कसने के लिए सूचना लिखवाई गई है। जिसमें वन्य प्राणियों की शिकार की गुप्त सूचना देने पर नगद इनाम भी रखा गया है साथ ही इनाम की राशि व सूचना गुप्त रखने की बातें लिखी है। कोई भी व्यक्ति जो शिकार के लिए इस्तेमाल किए गए अवैध उपकरणों या सामग्रियों को देखता है या जंगली जानवरों को मारने वाले लोगों के बारे में जानता है वह जिला वन अधिकारियों को जानकारी दे सकता है। उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व के उपनिदेशक वरुण जैन ने बताया कि किसी भी व्यक्ति को अगर शिकारियों के बारे में सूचना रहती है, तो वह सीधा हमारे रेंजर या हमें जानकारी दे सकता है। इसके लिए हमने सीतानदी उदंती क्षेत्र के सभी बैरियर पर सूचना लिखवाई है। साथ ही सूचना देने वाले को 15 हजार रुपये का इनाम प्रदान किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों की सुरक्षा को बढ़ावा देना और संरक्षित रखना है, आस पास के इलाकों में भी इस प्रकार की वाल पेंटिग करवाया जा रहा है ताकि वन्य प्राणियों को शिकारियो से बचाया जा सके बाघ व तेंदुए के शिकार की गुप्त सूचना दीजिए और 15 हजार रूपए का इनाम पाइये। इसके साथ साभंर, चीतल, घुटी एवं नीलगाय आदि के शिकार या उनका मांस बेचने वालों की सूचना देने वालों को 5 हजार रूपए का इनाम है।

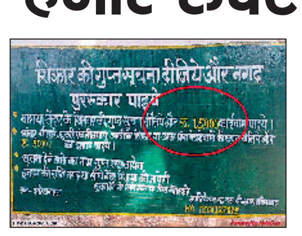

वन विभाग की अनोखी पहल

अंचल में शरद पूर्णिमा पर लोगों को बांटी गई खीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुड़ागांव(कोरासी)

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र ग्राम कोरासी,खड़मा, मड़ेली, अकलवारा, फिंगेश्वरी, सोरिद खुर्द, अमेठी, कसेकेरा, रानीपरतेवा, करकरा, कुरेकेरा, बोईरगांव, बम्हनी,देवसरा, द्वारतरा,करचाली, नवापारा, मुड़ागांव ,भैरा, कनेसर, जुनवानी, पीपरछेड़ी, जरगांव, ओनवा, खैरझिटी, लोहझर, पक्तियां आदि ग्रामो में शरद पूर्णिमा धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीण रात्रि में रामधुनी, रामायण, एवं भजन कीर्तन कर रात्रि जागरण कर रात्रि में खीर बनाया गया और खुले आसमान में रख कर सुबह खीर को प्रसाद वितरित किया गया। पुर्वज कहते हैं कि खीर को रात में बनाया जाता है,और बनाने के बाद खीर को खुले आसमान के निचे रख कर भजन कीर्तन कर रात्रि जागरण करते हैं। शरद पूर्णिमा के रात्रि में आसमान से अमृत की वर्षा होती है। इस दिन लोग रात को जागकर मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं। मान्यता है कि जो इस रात जागता है, मां लक्ष्मी उसके घर समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। इस दिन को शरद पूर्णिमा भी कहते हैं। मान्यता है कि इसी दिन मां लक्ष्मी का जन्म हुआ था। कोजागरा व्रत की रात में मां लक्ष्मी की पूजा के बाद मखाने और बताशे का प्रसाद बांटा जाता है। रात लोग कौड़ी भी खेलते हैं। माना जाता है कि कौड़ी समुद्र से उत्पन्न होती है और देवी लक्ष्मी को बहुत प्रिय है। इसलिए उनकी पूजा में कौड़ी भी अर्पित की जाती हैं। उड़ीसा और पश्चिम बंगाल में कुंवारी कन्याएं इस दिन सुबह सूर्यदेव और रात में चंद्रमा की पूजा करती हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से उन्हें मनचाहा जीवनसाथी मिलता है। ऐसी मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात चांद की ठंडी चांदनी के साथ आसमान से अमृत बरसता है। इसलिए लोग इस दिन खीर बनाकर उसे रात भर चांदनी में रखते हैं। साथ ही, लोग मिट्टी के घड़े या बर्तन में पानी भरकर छत पर रखते हैं और अगले दिन इस पानी से नहाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इससे सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ग्रामीण क्षेत्र में खीर का प्रसाद सुर्य उदय के पूर्व प्रसाद वितरित किया जाता है और प्रसाद को सुर्य उदय के पूर्व ग्रहण करने से लाभ दायक होता है।

रंगोली प्रतियोगिता में कुल 22 विद्यार्थियों ने लिया भाग

लक्ष्य निर्धारित कर उसे पूरा करने जुट जाएं : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छुरा

आईएसबीएम विश्वविद्यालय में दिनांक 16 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया। जिसका थीम भविष्य के लिए बालिकाओं का दृष्टिकोण है। लड़कियों की आशावादी आकांक्षाओ पर जोर देने के लिए आईएसबीएम विश्वविद्यालय के द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंजू ध्रुव सरपंच ग्राम पंचायत लौहझर की थी। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बालिका बचाओ अभियान की शुरुआत कब और कहां से किया गया साथ ही उन्हें बताया कि भारत सरकार बहुत सी योजनाएं लड़कियों और महिलाओं के विकास और उत्थान के लिए चला रही हैं, जिनके जानकारी की अभाव में महिलाएं और लड़कियां सशक्त नहीं बन पा रही है तथा लड़की और महिलाओं को चाहिए कि वे अपना लक्ष्य बनाएं और उसे पूरा करने के लिए पूरी मन से लग जाए आज ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जहां महिलाएं और लड़कियां सफल नहीं हो सकी है विशिष्ट अतिथि के रुप में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद महलवार, कुल सचिव डॉ. बीपी भोल, विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एन कुमार स्वामी, डीएस डब्लू डॉ. शुभाशीष बिश्वास और विज्ञान विभाग के अधिष्वाता डॉ. पी विश्वनाथन रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विज्ञान विभाग प्रमुख डॉक्टर पूनम वर्मा ने की जिन्होंने अपनी वक्तव्य में बताया कि सभी महिलाओं और लड़कियों को अपनी लक्ष्य निर्धारित कर उसे पूरा करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद महलवार ने बताया कि सभी महिलाओं को अपनी लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत से पूरा करना चाहिए। रंगोली प्रतियोगिता में कुल 22 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। जिनमें से प्रथम स्थान पर रिद्धि कहर एम एस सी जन्तु विज्ञान तृतीय सेमेस्टर, द्वितीय स्थान पर दामिनी और निधि बी फार्मा प्रथम सेमेस्टर तृतीय स्थान पर लुपाक्षी बी फार्मा पांचवा सेमेस्टर और डीगेश बीएससी प्रथम सेमेस्ट्र रही। विश्वविद्यालय के द्वारा मुख्य अतिथि सरपंच महोदय के हाथों इन प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिया गया। इस कार्यक्रम सेविद्यार्थियों में लैंगिक, शिक्षा, समानता, आत्मनिर्भरता, नारी सशक्तिकरण जैसी भावनाओं का विकास हुआ निश्चित रूप से इससे विद्यार्थी लाभान्वित हुए और कार्यक्रम का समापन ललिता साहू सहायक प्राध्यापक रसायनशास्त्र ने किया।